संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 158
पृष्ठ 8
मंगलवार
25 फरवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- महाशिवरात्रि पर महादेव के इस...

विचार- धरती पर 'मिनी सूरज' उगाने...

खेल- बाज नहीं आया पाकिस्तान...

कन्हैया लाल स्मृति साहित्य-सम्मान से अलंकृत हुई पाँच साहित्यकारों की कृतियाँ

प्रयागराज। शहर समता समाचार-पत्र द्वारा संचालित श्शहर समता विचार मंच श के तत्त्वावधान में दिनांक 24 फरवरी 2025, को चयनित की गई पुस्तकों के साहित्यकारों का सम्मान,सम्मान स्मृति अंक एवं साझा संकलन श्आधी दुनिया बोलती हैश का लोकार्पण तथा कवि-सम्मेलन कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री प्रकाश मिश्र तथा मुख्य अतिथि डॉ० ऊषा मिश्रा तथा विशिष्ट अतिथि प्रो० डॉ०रवि कुमार मिश्र, प्रो० डॉ० सुनील विक्रम सिंह और डॉ० कल्पना वर्मा रहे। कार्यक्रम के दोनों सत्रों का संचालन संपादक एवं सचिव उमेश श्रीवास्तव ने किया तथा संयोजक संजय सक्सेना एवं अरविंद पाण्डेय रहे। माँ सरस्वती के माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन तथा अतिथियों के स्वागत के पश्चात कवयित्री प्रेमा राय ने सस्वर सरस्वती वन्दना पढ़ी तत्पश्चात प्रथम सत्र का शुभारम्भ सम्मान समारोह से शुरु हुआ जिसमें डॉ० विनम्र सेन सिंह के आलोचनात्मक कृति श्कलम आज उनकी जय बोलश, रजंन पाण्डेय के उपन्यास श्कोटा फीवर श , डॉ०प्रदीप चित्रांशी के कहानी संग्रह श्तिनका-तिनका बिखर गयाश ,अनवार अब्बास नकवी के नाटक श्दहा दशहराश्तथा रचना सक्सेना के काव्य-संग्रह श छन्द रचनाश को श्कन्हैया लाल स्मृति सम्मानश से नवाजा गया इसके बाद शहर समता द्वारा प्रकाशित श्सम्मान स्मृति अंक तथा साझा संकलन श आधी दुनिया की कलम बोलती हैश का लोकार्पण हुआ। लोकार्पण के पश्चात अध्यक्षीय उद्बोधन में श्रीप्रकाश मिश्र जी ने कहा कि निर्णायक मंडल के लिए यह निर्णय लेना कि कौन सी पुस्तक श्रेष्ठ है,अति दुरुह कार्य है क्यों सभी पुस्तकों गुणवत्ता की दृष्टि से एक सी ही लगती हैं। फिर भी कुछ न कुछ सूक्ष्म अन्तर जरूर होता है यही अन्तर उस पुस्तक को श्रेष्ठ बनाती हैं। मुख्य अतिथि ऊषा मिश्रा जी ने जिस रचनाकार की रचना चयनित हुई,उन्होंनें बधाई दी। प्रो०रवि मिश्र जी ने सम्मानित पुस्तकों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कोटा फीवर उपन्यास आज के दौर की व्याख्या करता हुआ, प्रतियोगी छात्र के जीवन के विषय में काफी कुछ कह देता है। आलोचनात्मक कृति श्रेष्ठ है तथा हिन्दुस्तानी संस्कृति का दर्शन अपने अंतस में समाए नाटकश्दहा दशहराश हर दौर के लिए अनुपम कृति है। समाज से गायब होती संवेदना पर आधारित कहानियों का संग्रह श्तिनका तिनका बिखर गयाश अनुपम है तथा श्छन्द रचनाश काव्य-जगत कीजगत से लुप्त हो रहे छन्द की याद दिलाती है इसीलिए कसौटी पर खरी उतरती है। डॉ०कल्पना वर्मा एवं प्रो० सुनील विक्रम सिंह ने भी अपने व्यक्तव्य में सम्मानित रचनाकारों को बधाई दिया।संचालन करते हुए उमेश श्रीवास्तव जी ने संस्था पर प्रकाश डालते हुए,सम्मानित रचनाकारों को बधाई दी।

दूसरे सत्र में कवि-सम्मेलन एवं मुशायरा का शुभारंभ हुआ जिसकी अध्यक्षता अनवार अब्बास नकवी ने की डॉ० इन्दू प्रकाश मिश्र, निखलेश मालवीय, संगीता श्रीवास्तव,राजेश सिंह श्राजश्नाज खान ,डॉ०कल्पना श्रीवास्तव ,प्रगति,उर्वशी उपाध्याय,कल्पना वर्मा,शाम्भवी,सहज तिवारी, मिली श्रीवास्तव ,रामवीर सिंह,प्रवीण माधव,मोहनी कुमारी,शाहीन खुशबू के साथ ही शहर के वरिष्ठ एवं युवा कवियों ने हास्य,व्यंग्य, गीत, गजल एवं दोहों से श्रोताओं के मन को गुदगुदाते रहे और वाह-वाह के बीच में सुनाते रहे। अन्त में आभार ज्ञापन राजेश सिंहश्राज श्ने किया।

यही सही समय है एमपी में निवेश का : मोदी

भोपाल, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज देश-विदेश से आए निवेशकों के सामने मध्यप्रदेश की तमाम खूबियों को ना केवल विस्तार से रखा, बल्कि इस बात पर भी बल दिया कि राज्य में निवेश का सही समय यही है। श्री मोदी राजधानी भोपाल में आज से शुरु हुए दो दिवसीय ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। ये आयोजन देश में अपनी तरह के अनूठे राजधानी भोपाल के राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आयोजित हो रहा है। इस दौरान राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव समेत देश-विदेश के कई ख्यातिप्राप्त उद्योगपति और कई देशों के राजदूत समारोह में उपस्थित रहे। समारोह में श्री मोदी ने मध्यप्रदेश की पिछले दो दशक की विकास यात्रा को सबके सामने रखा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश कृषि और खनिज के मामले में देश के अव्वल राज्यों में है। मध्यप्रदेश को जीवनदायिनी मां नर्मदा का आशीर्वाद प्राप्त है। यहां विकास की हर संभावना है। बीते दो दशकों में मध्यप्रदेश ने संक्रमण का नया दौर देखा है,

एक समय यहां पानी-बिजली के साथ ही कानून व्यवस्था बहुत खराब थी। ऐसे में यहां उद्योगों का विकास बहुत मुश्किल था। पिछले 20 साल में भाजपा सरकार ने सुशासन पर फोकस किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दो दशक पहले तक लोग यहां निवेश से डरते थे। आज मध्यप्रदेश निवेश के मामले में देश के राज्यों में टॉप में आ रहा है। जिस मध्यप्रदेश में खराब सड़कों के कारण बसें तक ठीक नहीं चलती थी, वो आज ईवी क्रांति के अग्रणी राज्यों में है। जनवरी 2025 तक राज्य में दो लाख ईवी गाड़ियां पंजीकृत हुईं हैं, ये 90 फीसदी ग्रोथ है। मध्यप्रदेश निर्माण क्षेत्र के लिए शानदार केंद्र बन रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने इस वर्ष को उद्योग और रोजगार वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते दशक में भारत ने बुनियादी सुविधाओं का बूम देखा है, इसका बड़ा फायदा मध्यप्रदेश को भी मिला है। दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे का बड़ा हिस्सा यहां से गुजर रहा है। यहां लॉजिस्टिक सेक्टर की भी तेज ग्रोथ है। एयर कनेक्टिविटी के तहत ग्वालियर और जबलपुर टर्मिनल को बढ़ाया गया है। रेल नेटवर्क को आधुनिक किया जा रहा है। यहां रेलवे का

पीएम ने निवेशकों को दिया 'ट्रिपल-टी' मंत्र

100 फीसदी इलेक्ट्रिफिकेशन किया गया है। भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन का संदर्भ देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वहां की तस्वीरें मन मोह लेती हैं। इसी तर्ज पर प्रदेश के 80 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्कीम के तहत आधुनिक बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बीते दशक में भारत में एनर्जी सेक्टर में अभूतपूर्व ग्रोथ हुई है। ग्रीन एनर्जी में कल्पना से परे काम हुआ है। इस बूम का भी मध्यप्रदेश को लाभ मिला है। अब प्रदेश पावर सरप्लस राज्य है। रीवा सोलर प्लांट देश में सबसे बड़े सोलर प्लांट में से एक है। ओंकारेश्वर में फ्लोटिंग सोलर प्लांट लगाया गया है। बीना रिफाइनरी को भी बढ़ाया गया है। इससे राज्य पेट्रोकेमिकल हब बनेगा। मध्यप्रदेश में 200 से ज्यादा इंडस्ट्रियल जोन हैं। यहां निवेशकों के लिए 'पैसा रिटर्न' की अपार संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश की विशेषताएं रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास के लिए 'वाटर सिक्योरिटी' बहुत जरूरी है। इसी दिशा में सरकार जल संरक्षण पर बल दे रही है, वहीं दूसरी ओर नदी जोड़ो का मिशन लिया है। इसका भी मध्यप्रदेश की खेती और उद्योग लाभ पाएंगे। राज्य में अभी केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना पर काम शुरु हुआ है। इससे 10 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि बढ़ेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के विकसित भविष्य में तीन सेक्टर अहम हैं, टेक्सटाइल, टूरिज्म और टेक्नोलॉजी। टेक्सटाइल के नजरिए से देखें तो मध्यप्रदेश एक प्रकार से श्कॉटन कैपिटलश है। देश की लगभग 25 फीसदी कॉटन आपूर्ति यहीं से होती है। मध्यप्रदेश मलबरी सिल्क का भी देश का सबसे बड़ा निर्माता है। यहां का चंदेरी और महेश्वर विश्वप्रसिद्ध हैं। इनमें निवेश निवेशकों को वैश्विक पहचान देगा। सरकार मेडिकल टेक्सटाइल और जियो टेक्सटाइल को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए राष्ट्रीय मिशन शुरु किया है। सात बड़े टेक्सटाइल पार्क में से एक मध्यप्रदेश में बन रहा है। उन्होंने कहा कि भारत पर्यटन में भी नए आयाम जोड़ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में महिलाओं की भागीदारी बढाना जरूरी : मुर्मु

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने महिलाओं के प्रभुत्व वाले संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों की हिंसा कम करने और दीर्घकालिक शांति समझौतों में प्रभावशाली भूमिका का उल्लेख करते हुए इन मिशनों में महिलाओं को अधिक से अधिक शामिल करने को कहा है। ग्लोबल साउथ देशों की महिला शांति सैनिकों के सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के एक समूह ने सोमवार को यहां राष्ट्रपति भवन में श्रीमती मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि शांति मिशन में महिलाओं की मौजूदगी इसे और अधिक विविधतापूर्ण तथा समावेशी बनाती हैं। महिला शांति सैनिकों की अक्सर स्थानीय समुदायों तक बेहतर पहुंच होती है और वे महिलाओं और बच्चों के लिए रोल मॉडल के रूप में काम कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं लिंग आधारित हिंसा के समाधान, विश्वास और संवाद को बढ़ावा देने में ज्यादा सक्षम हैं। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि जिन शांति

मिशनों में महिलाओं की संख्या अधिक होती है वे हिंसा को कम करने और दीर्घकालिक शांति समझौते हासिल करने में अधिक प्रभावी रहे हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि हम संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में अधिक महिलाओं को शामिल करें। राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में योगदान के भारत के गौरवशाली इतिहास को याद किया। भारत के 2 लाख 90 हजार से अधिक शांति सैनिकों ने 50 से अधिक संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में सेवा की है। अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए 9 सक्रिय मिशनों में 5000 से अधिक भारतीय शांति सैनिक तैनात हैं जो अक्सर प्रतिकूल परिस्थितियों में कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि भारतीय महिला शांति सैनिक कर्तव्य पूरा करने में सबसे आगे रही हैं। छह मौजूदा संयुक्त राष्ट्र मिशनों में 154 से अधिक भारतीय महिला शांति सैनिक तैनात हैं। वर्ष1960 के दशक में कांगो से लेकर 2007 में लाइबेरिया में पुलिसिंग तक भारतीय महिला शांति सैनिकों ने व्यावसायिकता और आचरण की उच्चतम परंपराओं का प्रदर्शन किया है।

इल्तिजा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर में शराब पर प्रतिबंध करने की माँग को लेकर चलाया हस्ताक्षर अभियान

श्रीनगर, एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता इल्तिजा मुफ्ती ने श्रीनगर में शराब पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है। महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी चाहती है कि घाटी में शराब की दुकानों पर प्रतिबंध लगे क्योंकि इससे युवाओं का जीवन बर्बाद हो रहा है।

हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत पार्टी नेता और महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने पीडीपी मुख्यालय में की। उन्होंने कहा कि "हम यहां एक गंभीर मुद्दे के लिए आए हैं। ड्रग्स और शराब जंगल की आग की तरह फैल रहे हैं।" उन्होंने कहा कि कुपवाड़ा के पीडीपी विधायक ने भी शराब पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में एक विधेयक पेश किया है। उन्होंने अभियान शुरू करने के बाद कहा कि हमें उम्मीद है कि हमारे अभियान को सफलता मिलेगी।

अमानतुल्लाह खान को बड़ी राहत, 25 फरवरी तक बढ़ी गिरफ्तारी पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को आप विधायक अमानतुल्ला खान की सुरक्षा मंगलवार 25 फरवरी तक बढ़ा दी है। अदालत ने मामले को जरूरत

पड़ने पर कल अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने कहा कि उसे आप विधायक से पूछताछ करने के लिए उनकी हिरासत की जरूरत है कि वह मौके पर मौजूद थे या नहीं। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और गवाहों के बयान अदालत में विचारार्थ दाखिल किये। उनके खिलाफ एक एफआईआर दर्ज की गई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की एक टीम को बाधित किया था जो शावेज़ खान को गिरफ्तार करने के लिए इलाके में गई थी, जिसे घोषित अपराधी (पीओ) घोषित किया गया था और कथित तौर पर जामिया नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज 2018 की एफआईआर में वांछित था। इससे पहले दिल्ली के जामिया नगर में 10 फरवरी को पुलिस टीम पर कथित रूप से हमला करने के मामले में समन मिलने के बाद 'आप' विधायक अमानतुल्ला खान पुलिस के सामने पेश हुए थे।

मोटापे के खिलाफ जंग, पीएम मोदी ने इन 10 हस्तियों को किया नॉमिनेट, उमर अब्दुल्ला बोले- बहुत खुश हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। अपने 'मन की बात' संबोधन में मोटापे से लड़ने की जोरदार वकालत करने के एक दिन बाद, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को इस मुद्दे पर जागरूकता बढ़ाने और खाद्य तेल की कम खपत को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से 10 प्रमुख हस्तियों को नामित किया। नामांकित लोगों में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, व्यवसायी आनंद महिंद्रा, अभिनेता मोहनलाल, भोजपुरी गायक-अभिनेता निरहुआ, निशानेबाज मनु भाकर, भारोत्तोलक मीराबाई चानू, इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी, गायिका श्रेया

घोषाल, अभिनेता आर माधवन और परोपकारी सुधा मूर्ति शामिल हैं। एक्स पर घोषणा साझा करते हुए, पीएम मोदी ने प्रत्येक नामांकित व्यक्ति से आंदोलन का विस्तार करते हुए 10 अन्य को नामांकित करने का अनुरोध किया। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पीएम मोदी के ट्वीट का जवाब देते हुए इस अभियान से जुड़ने पर खुशी जताई। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने इस प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए अभिनेता दीपिका पादुकोण और क्रिकेट व्यक्तित्व इरफान पठान सहित 10 अन्य लोगों को नामित किया। पीएम मोदी ने रविवार को अपने 'मन की बात' संबोधन में लोगों से भोजन में कम तेल का उपयोग करने और 10 प्रतिशत तेल का सेवन कम करने की चुनौती 10 अन्य लोगों को देने का आग्रह किया था। इससे पहले आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की ताजा कड़ी में मोदी ने एक शोध का हवाला देते हुए कहा कि आज हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है और बीते कुछ वर्षों में ऐसे मामले दोगुने हो गए हैं। उन्होंने कहा, ''इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि बच्चों में भी मोटापे की समस्या चार गुना बढ़ गई है।''

पहली पाली की बोर्ड परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं सोमवार को शुरू हो गई। प्रदेशभर में 8140 केंद्रों पर 54,37,233 छात्र–छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं। महाकुम्भ में स्नान के लिए उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण प्रयागराज जिले में पहले दिन परीक्षा नहीं हुई। यह परीक्षा नौ मार्च को पूर्व निर्धारित समय के अनुसार होगी। शेष 74 जिलों में पूर्व निर्धारित समय और केंद्रों पर परीक्षा कराई जा रही है। पहली पाली में सुबह आठ से 11रू15 बजे तक हाईस्कूल हिन्दी और प्रारंभिक हिन्दी जबकि इंटर सैन्य विज्ञान की परीक्षा कराई गई। दूसरी पाली में दोपहर दो से 5रू15 बजे तक इंटर हिन्दी और सामान्य हिन्दी जबकि हाईस्कूल हेल्थकेयर विषय की परीक्षा होगी। बोर्ड सचिव भगवती सिंह सुबह छह बजे से ही मुख्यालय में डटे हुए हैं। कंट्रोल रूम से परीक्ष केंद्रों के स्ट्रांग रूम की निगरानी की जा रही है।

सक्षम हर जिले में स्थापित करेगा दिव्यांग सेवा केंद्र

महाकुम्भ नगर। नेत्र कुम्भ में सामाजिक संस्था सक्षम की ओर से आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी का रविवार को समापन हुआ। इस मौके अध्यक्षता कर रहे लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विवि में संस्कृत विभाग के प्रोध् दयाल सिंह पंवार ने कहा कि देश के हर जिले में दिव्यांग सेवा केंद्र स्थापित किया जाएगा। तहसील स्तर पर संयोजक नियुक्त किए जाएंगे। राष्ट्रीय संगठन मंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि यह निर्णय दिव्यांगों के लिए समावेशी विकास और बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने में सहायक होंगे। उन्होंने कहा कि संघ का शताब्दी वर्ष विजयादशमी से शुरू होगा। सक्षम के पूर्व अध्यक्ष गोबिंद राज, उपाध्यक्ष कमलाकांत पांडेय मौजूद रहे। मप्र के बागेश्वर धाम में कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखते हुए प्रध ाानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गयी नेत्र कुम्भ की सराहना से टीम ने प्रसन्नता व्यक्त की। सक्षम के राष्ट्रीय संगठन मंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि डॉक्टरों व सभी सेवकों के लिए सुखद क्षण है।

सुबह 10 बजे ही 55 लाख ने कर लिया स्नान

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ में श्रद्धालुओं का आगमन लगातार जारी है। सोमवार को महाशिवरात्रि से दो दिन पहले सुबह 10 बजे तक 54.99 लाख श्रद्धालुओं ने पुण्य की डुबकी लगा ली थी।

अभी सभी दिशा से श्रद्धालुओं का आगमन जारी है। अफसरों का कहना है कि यह क्रम अभी महाशिवरात्रि तक जारी रहेगा। महाशिवरात्रि के अवसर पर दो करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान का अनुमान है। इसके लिए सभी व्यवस्थाओं को किया गया है। महाशिवरात्रि के अवसर पर यातायात के सभी प्रबंध पूरे रहेंगे। हर सेक्टर में मजिस्ट्रेट हर वक्त तैनात रहेंगे।

नाव चलाने के विवाद में जानलेवा हमला

कौशाम्बी निवासी रामगोपाल निषाद ने अपने भाई पर जानलेवा हमला की शिकायत करते हुए कीडगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया। आरोप है कि 21 फरवरी की शाम बालू मंडी घाट यमुना बैंक रोड (काली सड़क) स्थान पर नाव बांधने को लेकर विवाद हो गया। रामगोपाल निषाद की तहरीर के अनुसार, उसका भाई संजय निषाद यमुना बैंक रोड (बालू मंडी) गऊघाट थाना कीडगंज में नाव चलाने का काम करता है। नाव चलाने के रंजिश में गऊघाट निवासी राजीव भारतीय ने संजय निषाद के सिर पर रॉड से हमला किया। इसके बाद बेहोशी हालात में जान से मारने की नीयत से यमुना में फेंक दिया। आसपास के लोगों के शोर मचाने पर आरोपी भाग निकला। किसी तरह संजय निषाद को बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की विवेचना कर रही है।

स्पाइसजेट पायलट की अनोखी अनाउंसमेंट ने यात्रियों को भाव-विभोर किया

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। महाकुम्भ की ओर बढ़ते श्रद्धालुओं के लिए स्पाइसजेट की उड़ान एक यादगार अनुभव बन गई, जब पायलट ने परंपरागत सुरक्षा अनाउंसमेंट को छोड़कर कविता, हास्य और भक्ति से भरा संदेश सुनाया। इस अनाउंसमेंट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें पायलट का जोशीला अंदाज लोगों के दिलों को छू गया। पायलट ने मुस्कुराते हुए कहा कि 38 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ते हुए, अगर और ऊपर गए तो शायद दिख सकते हैं भगवान। उन्होंने यात्रियों को उड़ान की जानकारी देते हुए मजाकिया लहजे में सुरक्षा निर्देश दिए और महाकुम्भ की पवित्रता पर प्रकाश डाला। पायलट ने आगे कहा कि महाकुम्भ का माहौल बहुत ही अद्भुत और निराला है, यहां अमीर से अमीर और फकीर से फकीर इंसान पहुंचने वाला है। जो भी इस त्रिवेणी में डुबकी लगाएगा, वह सच में सौभाग्यशाली है।

हिंदुओं ने देखा 440 साल पुराना आदि विश्वेश्वर का वैभव, श्रीकृष्ण जन्मभूमि के दस्तावेज भी सार्वजनिक

प्रयागराज। महाकुंभ में साढ़े चार करोड़ श्रद्धालुओं ने आदि विश्वेश्वर ज्ञानवापी के 440 साल पुराने मंदिर के मॉडल का दर्शन किया। साथ ही ज्ञानवापी की मुक्ति का संकल्प लिया।

महाकुंभ में साढ़े चार करोड़ श्रद्धालुओं ने आदि विश्वेश्वर ज्ञानवापी के 440 साल पुराने मंदिर के मॉडल का दर्शन किया। साथ ही ज्ञानवापी की मुक्ति का संकल्प लिया। वहीं त्रिवेणी के तट पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि के दस्तावेज और ध वंस की तस्वीरें भी श्रद्धालुओं के लिए सार्वजनिक की गईं। प्रदर्शनी में प्रदर्शित मंदिर के दस्तावेज और तस्वीरों को साढ़े छह करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने देखा है।

श्री आदि महादेव काशी ध ार्मालय मुक्ति न्यास की ओर से 1669 में ध्वंस किए गए श्री आदि विश्वेश्वर मंदिर ज्ञानवापी का मॉडल देश और दुनिया भर के सनातनी हिंदुओं के दर्शन के लिए सेक्टर–19 में रखा गया था। 17 जनवरी से 18 फरवरी तक साढ़े चार करोड़ श्रद्धालुओं ने मंदिर के इस मॉडल को देखा और नमन किया। ज्ञानवापी के मॉडल के साथ ही वर्तमान समय की तस्वीरों को भी लगाया गया था। इसके साथ ही एएसआई के सर्वे के दौरान मिले प्रतीक चिह्नों को प्रदर्शनी के जरिए दर्शाया गया।

न्यास के डॉ. रामप्रसाद सिंह ने बताया कि मंदिर के मॉडल और प्रदर्शनी के जरिए 1669 में आदि विश्वेश्वर ज्ञानवापी मंदिर की असली स्थिति से श्रद्धालुओं को रूबरू कराया गया। ज्ञानवापी के सर्वे के बाद की तस्वीरों के साथ ही 1669 में ध वंस के पहले ज्ञानवापी के असली स्वरूप को महाकुंभ में हर किसी ने देखा। ज्ञानवापी में मिले शिवलिंग, दीवारों पर देवी देवताओं के चित्र, सनातन मंदिरों की नक्काशी को भी दिखाया गया। इसके साथ ही सन 1585 में निर्मित मंदिर के नक्शे को भी आम श्रद्धालुओं के लिए रखा गया था।

मंदिर के मॉडल को लकड़ी से तैयार करने में एक साल का समय लगा। आठ मंडप और एक शिखर वाले इस मॉडल को पुराने मंदिर के आधार पर ही तैयार किया गया है। आदि विश्वेश्वर मंदिर 125 फीट लंबा, 125 फीट चौड़ा और 128 फीट ऊंचे था। मंदिर में बनाए गए शृंगार मंडप, ऐश्वर्य मंडप, ज्ञान मंडप, मुक्ति मंडप पूरी तरह खाली थे। इसके अलावा गणेश मंडप, दंडपाणि मंडप, तारकेश्वर मंडप और भैरव मंडप में देवताओं के विग्रह विराजमान थे।

मंदिर के मूल मंडप के नीचे गर्भगृह था, जिसमें भगवान शिव के प्रतिरूप का भव्य शिवलिंग विराजमान था। मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार पश्चिम में, उत्तर में नंदी, पूर्व में प्रवचन कक्ष तथा दक्षिण में गर्भगृह स्थित शिवलिंग पर चढ़ाए गए जल निकासी को वर्तमान में ज्ञानवापी कूप कहा जाता है। मंदिर के नीचे एक बेसमेंट है, जिसे तहखाना कहा जा रहा है, जिसकी गहराई सात फिट है। इसको बनाने के लिए अलग–अलग ग्रंथों, पुस्तकों का अध्ययन किया गया। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास की ओर से त्रिवेणी के तट पर जन्मभूमि के प्राचीन दस्तावेज और चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई थी। सेक्टर–16 में लगी प्रदर्शनी ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा। यह पहला मौका था जब महाकुंभ में जन्मभूमि से जुड़े दस्तावेज और तस्वीरों को सार्वजनिक किया गया था। इसके अलावा औरंगजेबनामा, मासीर ए आलमगिरी, औरंगजेब का इतिहास, जनवरी 1670 में मथुरा के कृष्ण मंदिरों को तोड़कर मूर्तियों को मस्जिद की सीढ़ियों में लगाने का फरमान भी प्रदर्शनी का हिस्सा बना था। न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि महीने भर तक लगी प्रदर्शनी को साढ़े छह करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने देखा है। प्रदर्शनी में जन्मभूमि के मामले से जुड़े कई दस्तावेजों को महाकुंभ में पहली बार सार्वजनिक किया गया था। इसके जरिए आम जनता को जन्मभूमि के लिए जागरूक करना ही उद्देश्य था।

यथार्थ की कहानी-कविता गोष्ठी में वरिष्ठ कथाकार अमरीक सिंह दीप का सम्मान

कानपुर।नगर की कथा साहित्य को समर्पित साहित्यिक संस्था श्यथार्थश के बैनर तले रविवार, को 6ध्80,पुराना कानपुर में एक कहानी कविता–गोष्ठी का आयोजन किया।गोष्ठी में अपने साहित्य लेखन से देश–विदेश में धाक जमाने वाले नगर के वरिष्ठ कथाकार श्री अमरीक सिंह दीप को शविशिष्ट साहित्य साधकश सम्मान से अलंकृ त किया गया।

दीप जी की साहित्यिक सेवाओं के संबंध में चर्चित कथाकार प्रियंका गुप्ता ने विचार व्यक्त करते हुए कहा,

ष्साहित्य केवल भाषा का माध यम नहीं, बल्कि समाज की आत्मा का दर्पण है। कहानी लेखन एक सृजनात्मक कला है, जो न केवल कल्पना की उड़ान भरती है, बल्कि समाज की सच्चाइयों को भी सउजागर करती है। एक अच्छी कहानी मानवीय संवेदनाओं, संघर्षों और अनुभवों को इस तरह प्रस्तुत करती है कि पाठक न केवल उससे जुड़ता है, बल्कि उसे आत्मसात भी करता है। इसी साहित्यिक परंपरा में अनेक महान कथाकारों ने अपनी लेखनी से समाज को दिशा दी है। कानपुर से जुड़े कई लेखकों ने भी हिंदी कथा साहित्य को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिनमें वरिष्ठ साहित्यकार श्री अमरीक सिंह दीप का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है।श्सम्मानित कथाकार दीप जी ने श्यथार्थश संस्था के साथ अपने जुड़ाव को याद करते–करते संस्था की संस्थापक स्व. प्रेम गुप्ता मानी का स्मरण करते हुए थोड़े भावुक हुए संवेदनशील कथाकर दीप जी ने बताया कि उनकी साहित्य यात्रा श्यथार्थश की ही एक गोष्ठी से ही हुई थी। 'यथार्थ' सिर्फ एक कथा–साहित्य की संस्था ही नहीं, बल्कि एक 'परिवार' भी है,जो बिना किसी अनावश्यक आडम्बर के अपनी पारिवारिक गोष्ठी की परिपाटी का पालन करते हुए एक बेहद आत्मीय और सहज वातावरण में साहित्य संवध ान का वर्षों से यथार्थ के ध रातल पर करती आ रही है। सुश्री शशि श्रीवास्तव के आवास पर हुए इस आयोजन में मुख्य रूप से श्री अमरीक सिंह दीप, हरभजन सिंह मेहरोत्रा,सुश्री मधु प्रधान, रेखा श्रीवास्तव, मीना पाठक, वंदना पाण्डेय, वंदना शर्मा, स्वाति श्रीवास्तव, तिष्या श्रीवास्तव, श्री हरभजन सिंह मेहरोत्रा, जयराम सिंह जय, आदित्य श्रीवास्तव, अनिल कुमार माथुर, भरत सोमय्या, आदि शामिल हुए।

इस गोष्ठी में जहाँ एक तरफ दीप जी ने कहानी श्सुअरश का पाठ करके सभी को अपनी कलम के जादू में बाँध लिया, वहीं दूसरी तरफ गोष्ठी में उपस्थित वरिष्ठ कवि जयराम जय की घर पर पढ़ी गई कविता ने सबको वाह–वाह कहने पर मजबूर कर दिया। फिर तो कविताओं का ऐसा दौर चला कि डॉ मधु प्रध ाान, सुश्री रेखा श्रीवास्तव, मीना पाठक व शशि श्रीवास्तव जी ने भी अपनी कविताओं की सरस ध ारा में श्रोताओं को भिगो दिया। सुश्री वंदना पाण्डेय की लघुकथा – सन्नाटों के शोर सराही गई। अंत में स्वाति श्रीवास्तव के हाथों के बने सुस्वादु भोजन का आनंद लेते हुए श्यथार्थश की एक और अच्छी सार्थक साहित्यक गोष्ठी का समापन हुआ। गोष्ठी का संचालन प्रियंका गुप्ता ने तथा कथाकार शशि श्रीवास्तव ने आगतों का आभार व्यक्त किया।

महाकुंभ सांस्कृतिक विरासत विषयक संगोष्ठी संपन्न

प्रयागराज। महाकुम्भ मेला क्षेत्र सेक्टर 8 स्थित उच्च शिक्षा निदेशालय शिविर में इण्टरनेशनल गुडविल सोसाइटी ऑफ इंडिया के तत्वाधान में आयोजित "महाकुम्भरूसांस्कृतिक विरासत" विषयक संगोष्ठी में अध्यक्षता करते हुए उच्च न्यायालय प्रयागराज के

माननीय न्यायमूर्ति नीरज तिवारी जी ने कहा कि महाकुम्भ सामाजिक समरसता का संवाहक है । भेदभाव रहितता इसकी विशेषता है । विश्व परिवार की संकल्पना और जन कल्याण भाव हमें महाकुम्भ में दिखाई देता है ।इस महाकुम्भ में कई पीढ़ियों को हम एकसाथ देख सकते हैं। सामाजिक समरसता, परिवारभाव, बड़ों का सम्मान एवं आदर हमारी संस्कृ ति की पहचान है । कुम्भ एक सतत परम्परा और विरासत है। मुख्य अतिथि, उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मुख्य सचिव एवं भारत सरकार के पूर्व रक्षा सचिव आई. ए.एस. श्री योगेन्द्र नारायण जी ने कहा कि जब हम अच्छे उद्देश्य की ओर बढ़ते हैं तो छोटी–छोटी बुराइयों को भूल जाते हैं। यही हमारी संस्कृ ति है। संस्कृति किसी देश की पहचान होती है। संस्कृति नई पीढ़ी के द्वारा जीवित रहती है इसलिए जरूरी है कि हमारे नवयुवक अपनी भारतीय संस्कृ ति को समझें और अनुपालन करें।विशिष्ट अतिथि, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा आयोग की सदस्य डॉ. कीर्ति गौतम जी ने कहा कि प्रयागराज का ऐतिहासिक,धार्मिक और सांस्कृ तिक महत्व तो है ही साथ–साथ

ज्ञान कुम्भ और विमर्शों की दृष्टि से यह महत्त्वपूर्ण है ।विशिष्ट अतिथि, माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के पूर्व सदस्य प्रो. के.सी. शर्मा जी ने महाकुम्भ में प्रेम,करुणा,परोपकार और अपनत्व की भावना को महत्त्वपूर्ण बताया।कार्यक्रम संयोजक, उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. अमित भारद्वाज ने नागरिक समाज की जागृति को जरूरी बताया। कार्यक्रम सचिव, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. राजेश कुमार गर्ग ने कहा कि गुडविल विश्व शान्ति एवं सौहार्द्र के लिये ज रू र ी है ।महाकुम्भ इसके लिये सु अ व स र है।संगोष्ठी में बड़ी संख्या में ना ग रि क समाज, विद्यार्थी, अधिकारी एवं विद्वतजन शामिल हुये ।ध्यातव्य है कि इण्टर नेशनल गुडविल सोसाइटी आफ इण्डिया के संस्थापक अध्यक्ष इण्टरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस के प्रेसीडेंट रहे पद्म विभूषण जस्टिस नागेन्द्र जी हैं।

पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी ने मनाया अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

तेजपुर। सपूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर संस्थापिका रीता सिंह श्सर्जनाश के सान्निध्य, डॉ. गोमा देवी शर्मा की अध्यक्षता तथा मनिषा पॉल के कुशल संचालन में गूगल मीट पर एक बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मनिषा पॉल की सरस्वती वंदना से हुई। इस अवसर पर आमंत्रित कवि मोहन सुवेदी ने नेपाली भाषा में कविता प्रस्तुत किया तो वहीं असमिया में डॉ निरमाली दास, डॉ नंदिता दत्त,आनोवारा खातुन, बोडो भाषा में जैश्री बोडो, राजू बोडो भोजपुरी में सीमा सिंह स्वस्तिका ने एक गीत प्रस्तुत किया। वरिष्ठ कवि दिल्स लक्ष्मीन्द्र ने विष्णुप्रिया मणिपुरी में काव्य वाचन किया, तो वही श्यामाश्री सरकार ने हिंदी से अनूदित बांग्ला कविता पाठ किया तथा प्रवीणा त्रिपाठी ने हिंदी कविता का वाचन किया। इस अवसर पर अपनी अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ गोमा देवी शर्मा ने कहा कि मातृभाषा संरक्षण करना हम सबका परम कर्तव्य हैस अपनी भाषा के साथ–साथ अन्य भाषाओं को भी हमें उतना ही सम्मान करना चाहिए। पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी इस तरह के कार्यक्रम के लिए जानी जाती हैं, जहाँ हर भाषाओं का सम्मान किया जाता है। उन्होंने अंत में अपनी मातृभाषा में एक छोटी कविता की प्रस्तुति दी। संस्थापिका रीता सिंह सर्जना ने कहा कि अलग–अलग मातृभाषा को बढावा देने और उसके संरक्षण हेतु अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का पालन किया जाता है। पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी भी सभी भाषाओं का सम्मान देते हुए अग्रसरित है। उन्होंने इस अवसर पर सभी को शुभकामनाएँ देते हुए अपनी मातृभाषा नेपाली में एक कविता की प्रस्तुति दी। अंत में संचालक मनिषा पॉल ने असमीया भाषा में अपनी कविता की प्रस्तुत के साथ धन्यवाद ज्ञापन किया।

पिता की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिए संगम में फोटो लेकर लगाई डुबकी

प्रयागराज। अलोपीबाग निवासी पंकज रिजवानी ने अपने दिवंगत पिता सेवक राम की अधूरी इच्छा को पूरा करने के लिए पिता की फोटो लेकर संगम में डुबकी लगाई। 2021 में पिता के निधन के बाद पंकज अपने परिवार के साथ लखनऊ में बस गए थे, लेकिन उनके पिता की आखिरी इच्छा थी कि वह महाकुम्भ 2025 में स्नान करें। पिता की यह इच्छा अधूरी न रह जाए, इसलिए पंकज ने उनकी तस्वीर के साथ संगम में आस्था की डुबकी लगाई। पंकज ने बताया कि यह पल उनके लिए बेहद भावुक था। उन्होंने कहा कि 2019 कुम्भ में मैंने पिताजी के साथ कुम्भ में स्नान किया था, लेकिन उनके जाने के बाद इस बार का स्नान उनकी आत्मा की शांति के लिए था। संगम तट पर यह दृश्य लोगों की आंखें नम कर गया। पंकज की आस्था और पिता के प्रति समर्पण ने दिखा दिया कि प्यार और श्रद्धा की डोर कभी नहीं टूटती। महाकुम्भ के पावन अवसर पर पंकज की यह श्रद्धांजलि, हजारों श्रद्धालुओं के बीच प्रेरणा का स्रोत बन गई।

शाह इस्लामिक लाइब्रेरी में विशेष परामर्श बैठक का हुआ आयोजन!

मजफ्फरनगर। प्रसिद्ध शैक्षिक संस्थान शाह इस्लामिक अकैडमी में एक दिवसीय विशेष मशाविरती परामर्श बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में शहर की मस्जिदों के इमाम, मदरसों के शिक्षक और जिला जमीयत उलमा के प्रमुख पदाधि ाकारियों ने हिस्सा लिया। रमजान के मुबारक महीने की आमद के मद्देनजर आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता मौलाना अब्दुल खालिक नईमी कासमी (महासचिव, जिला जमीयत उलमा) ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बेहतर कार्यों की सफलता का पहला नियम आपसी परामर्श है। आज के दौर में संगठित और अनुशासित व्यवस्था उम्मत की सबसे अहम जरूरत है। इसकी शुरुआत सबसे पहले बुद्धिजीवी वर्ग को करनी होगी, तभी आम जनता को इसकी अहमियत समझ

आएगी। उन्होंने शाह इस्लामिक अकैडमी की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था हमेशा धार्मिक और सामुदायिक मामलों में आपसी सहयोग और एकता को बढ़ावा देने का काम करती रहती है। बैठक का संचालन कारी मोहम्मद खालिद बशीर कासमी ने किया। उन्होंने बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रमजान का पवित्र महीना जल्द ही शुरू होने वाला है। ऐसे में शहर और जिले के लिए एक संगठित और सुव्यवस्थित योजना बनाना आवश्यक है, ताकि रमजान के दौरान व्यक्तिगत इबादतों के साथ–साथ सामूहिक कार्यों का भी उचित प्रबंध किया जा सके और सामाजिक एवं कल्याणकारी कार्यों को और अधिक बढ़ावा दिया जाए। इस बैठक में प्रमुख वक्ताओं में मुफ्ती जहीर अहमद अलीग कासमी, मुफ्ती शराफत अली मिफ्ताही, मुफ्ती मोहम्मद जाहिद कासमी, मौलाना मोहम्मद जमशेद कासमी, कारी मोहम्मद इमरान रहीमी आदि ने अपने विचार रखे। बैठक में जिला जमीयत उलमा द्वारा तैयार की गई जंतरी (कैलेंडर) का विमोचन किया गया। साथ ही, जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) मजफ्फरनगर को सौंपने के लिए एक ज्ञापन (मेमोरेंडम) भी पारित किया गया, जिसमें रमजान के दौरान बेहतरीन व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की मांग की गई। इसके अलावा, रमजान के धार्मिक और प्रशासनिक कार्यों की देखरेख के लिए 11–सदस्यीय समिति का गठन किया गया। बैठक के अंत में, शाह इस्लामिक अकैडमी की ओर से शहर के उलमा और मस्जिदों के इमामों को रमजान गिफ्ट भेंट किया गया। बैठक की शुरुआत कारी फरीद अहमद की तिलावत–ए–कुरआन से हुई, जबकि नात–ए–पाक मशहूर शायर अबुल कलाम कलीम चरथावली ने पेश की। इस बैठक में मौलाना फसीह हैदर, कारी शौकत अली, महबूब आलम एडवोकेट, मास्टर अख्तर खान, कारी मोहम्मद इकराम, कारी जरीफ अहमद, मोहम्मद परवेज कुरैशी, नवाब दिलशाद इलाही, अब्दुल्लाह कुरैशी समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बॉलीवुड अभिनेता शाहबाज खान ने किया मेघा गुप्ता को सम्मानित

बागपत, उत्तर प्रदेश। विवेक जैन। दिल्ली में एक मेकअप कंपीटिशन, सेमिनार व अवार्ड शो का आयोजन किया गया। इसमें बागपत समेत दिल्ली एनसीआर से काफी मेकअप आर्टिस्ट ने भाग लिया। इस मौके पर बागपत जिले की जानी–मानी सुप्रसिद्ध

मेकअप आर्टिस्ट मेघा गुप्ता को भी आमंत्रित किया गया था। उन्होंने यहाँ पर एक मॉडल को मेकअप कर बहुत ही अच्छे तरीके से तैयार किया, जिसकी सभी ने प्रशंसा की। उनकी कला को देखते हुए कार्यक्रम में आये मुख्य अतिथि के रूप में आये बॉलीवुड अभिनेता शाहबाज खान व अंजली राघव ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया और आगे इससे भी अच्छा प्रदर्शन करने शुभकामनाएं दी। मेघा गुप्ता की इस उपलब्धि को देखते हुए गौतम कपूर ने भी उन्हें बधाई दी। मेघा गुप्ता एक सुप्रसिद्ध मेकअप आर्टिस्ट है और उन्हें अभी तक कई कार्यक्रमों में सम्मानित किया जा चुका है। उनका मकसद ब्यूटी में नाम कमाना है। कार्यक्रम में काफी मॉडल ने भाग लिया और रैंप पर अपना जलवा बिखेरा। मेकअप आर्टिस्ट मेघा गुप्ता ने कार्यक्रम में आये लोगों को ब्यूटी के टिप्स दिये और मेकअप करते समय रखी जाने वाली सावधानियो से भी अवगत कराया।

बोर्ड परीक्षाओं के बीच एस डी एम ने किया निरिक्षण

भोपा। सहाई स्कूल व इंटरमिडिएट की बोर्ड परीक्षाएं सोमवार को आरम्भ हो गयी। उपजिलाधिकारी जानसठ द्वारा क्षेत्र के कॉलिज मे जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। भोपा स्थित जनता इंटर कॉलिज मे पहुंचे उपजिलाधिकारी जानसठ सुबोध कुमार ने परीक्षा कक्ष का निरिक्षण किया। उपजिलाधिकारी सुबोध कुमार ने बताया की बोर्ड परीक्षाओं को सुचारु व शान्ति पूर्ण रूप

से सम्पन्न कराने,नकल विहीन परीक्षा व आदर्श वातावरण को लेकर जनता इंटर कॉलिज भोपा, महर्षि शुकदेव इंटर मोरना मे जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। जहां स्टेटीक अधिकारी के रूप मे अमरवीर सिंह, योगेशवर दत्त एड़ीओ पंचायत मोरना भी मौजूद रहे। परीक्षा मे कार्यरत स्टाफ को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये हैं। एस डी एम ने बताया की सभी व्यवस्थाएं उचित व दुरुस्त पाई गयी हैं।

शिव मंदिर में दान पात्र तोड़कर नगदी चोरी

भोपा। गांव नन्हेड़ा के शिव मंदिर में रात्रि में चोरों ने घुसकर दोनों दानपात्र को तोड़कर उसमें से दान के रुपये चोरी कर भाग गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी की तथा डाग स्कावर्यड को भी बुलाया। भोपा थाना क्षेत्र के गांव नन्हेंडा में

गांव के बाहर ही शिव मंदिर है। सोमवार की सुबह गांव के ही शरसवीर उर्फ भोला मंदिर में गए तो देखा कि शिवजी व दुर्गा देवी के बाहर रखे दानपात्र टूटे पड़े है और उनमें से दान के रुपये गायब है। सूचना पर गांव के अनेक लोग मौके पर पहुंच गए तथा पुलिस को सूचना दी। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक उमेश रोरिया व उप निरीक्षक सतपाल सागर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तथा घटना की जानकारी की। पुलिस ने डाग स्कावर्यड को भी बुलाकर जांच पड़ताल कराई।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में कवि सम्मेलन और मुशायरा का आयोजन

प्रयागराज। सी एम पी डिग्री कॉलेज के हीरक जयंती समारोह के अंतर्गत अखिल भारतीय कवि सम्मेलन और मुशायरा का आयोजन दिनांक 24 फरवरी 2025 को हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कायस्थ पाठशाला के अध्यक्ष डॉ सुशील कुमार सिन्हा थे।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो अजय प्रकाश खरे ने अतिथियों और कवि सम्मेलन में आए कवियों एवं शायरों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया।

इस अखिल भारतीय कवि सम्मेलन और मुशायरे की संयोजक प्रो सरोज सिंह से आए हुए अतिथियों का वाचिक स्वागत किया । इस अवसर पर कायस्थ पाठशाला के उपाध्यक्ष योगेंद्र जी पूरे मुशायरे में उपस्थित रहकर सबका उत्साहवर्धन किया ।

कवि सम्मेलन और मुशायरे

में प्रो राजेंद्र त्रिपाठी रसराज, फारूखध आदिल, मुंतजिर, श्लेष गौतम, वंदना शुक्ला, असलम इलाहाबादी, अख्तर अजीज, शैलेन्द्र मधुर, विवेक सत्यांशु, जफर उल्ला जफर , लक्ष्मण गुप्ता आदि ने अपनी कविताओं का पाठ किया और शायरी प्रस्तुत की।

वंदना शुक्ला ने कैसे लगेगी संगम में डुबकी चहुंओर जाम है, प्यार वाले लफड़े के अब अंत हो रहे है , रील देख देख के सब धीरेन्द्र शास्त्री की लड़के हमारे अब सब संत हो रहे हैं जैसे पंक्तियों से दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाकर कवियों का खूब उत्साहवर्धन किया ।

श्लेष गौतम की कोई कैसे ये समझेगा कि भोला कौन भाला है जैसी पंक्तियों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया ।

असलम इलाहाबादी के हास्य भरी कविताओं ने दर्शकों को गुदगुदाए रखा इन कविताओं में देशभक्ति, सामाजिक समरसता जैसी बातें खूब थी ।

फारूक आदिल ने अपने समय समाज से जुड़े तथा आप रहने दीजिए जैसे शेरों शायरी की गुनगुनाहट से खूब वाहवाही बटोरी।

कार्यक्रम का संचालन डॉ जी गणेशन ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर आभा त्रिपाठी ने किया ।

इस अवसर पर महाविद्यालय की उप प्राचार्य प्रो नीता सिन्हा, प्रो अर्चना खरे, प्रो आभा सिंह, प्रो रजत श्रीवास्तव, प्रो दीनानाथ, प्रो एस पी सिंह, प्रो सत्यंवदा, डॉ रंजीत , डॉ पूजा, डॉ रुचिका वर्मा, डॉ प्रिया सोनी, डॉ अंजनी, डॉ भारती, डॉ रमाशंकर सिंह, डॉ राजेन्द्र यादव, अनिल शुक्ला तथा भारी संख्या में छात्र छात्राएं मौजूद थे।

एडीएम ने किया डूंडी घाट के अस्थायी पुल का निरीक्षण

काँवड शिविर मे जाकर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मोरना। महाशिवरात्रि के अवसर पर जारी काँवड यात्रा के दृष्टिगत अपर जिलाधिकारी प्रशासन नरेन्द्र बहादुर ने अपराध निरीक्षक हरेन्द्र सिंह के संग कांवड मार्ग सहित सोलानी नदी के डूंडी घाट पार कांवड़ियों के लिए ग्रामीणों द्वारा बनाए गए अस्थायी पुल का निरिक्षण किया। तथा काँवड सेवा शिविरो मे व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मोरना ब्लॉक् क्षेत्र गांव योगेन्द्र नगर के पास सोलानी नदी पर बने अस्थाई पुल का निरिक्षण सोमवार को ए डी एम प्रशासन नरेन्द्र बहादुर द्वारा किया गया।हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर अनेक शिवभक्त लक्सर के रास्ते होकर डूंडीघाट पर सोलानी नदी पार करके योगेन्द्र नगर भोकरहेडी–मोरना होते हुए अपने गंतव्य की ओर जाते हैं। सोलानी नदी पर पुल न होने के कारण शिवभक्तों को पानी से होकर गुजरना पडता था। शिव भक्तों की समस्या को देखते हुए योगेंद्रनगर के ग्रामीणों ने डूंडीघाट पर लकड़ी का अस्थाई पुल बनाया है। सोमवार को डीएम प्रशासन नरेंद्र बहादुर सिंह ने अपराध पुलिस निरीक्षक हरेंद्र सिंह के साथ सोलानी नदी के डूंडी घाट पार कांवड़ियों के लिए ग्रामीणों द्वारा बनाए गए अस्थायी पुल का निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं भोले बम–भोले बम का जयकारा लगाते हुए शिव भक्त नांचते–गाते आगे हुए अपने गंतव्य को बढ़ रहे है। गौतमबुद्ध नगर, अलीगढ़, नोएडा, बुलंदशहर के अनेक कावंड़िये गुजरे। वही, ग्रामीण शिविर लगाकर भोले भक्तों की सेवा में जुटे है। संयोजक मनोज कश्यप, सोम डीलर, अंकित, रजनीश कुमार, मोहन, सनी कुमार आदि मौजूद रहे।

ग्रामीणों की शिकायत शासन प्रशासन नहीं ले रहा सुध

डुंडी घाट पर कॉवड सेवा शिविर के आयोजक ग्रामीणों ने बताया की जन सहयोग से अस्थाई पुल का निर्माण कराया गया ब्लॉक् स्तर से कोई सुविधा नहीं मिली है। न ही कोई कर्मचारी यहां आया है। अमित राठी के अलावा सरकार का कोई प्रतिनिधि भी यहां नहीं आया ग्रामीणों ने स्थानीय विधायक व सांसद के न आने की शिकायत करते हुए शासन प्रशासन से नदी पर पक्का पुल बनवाने व काँवड मार्ग को बनवाने की मांग की।

पत्रकार स्व. रमेश मौर्या के नाम पर बनेगा भव्य प्रवेश द्वार: चंद्रलता

–पुण्यतिथि पर याद किए गए पत्रकार स्व. रमेश मौर्या, पत्रकारों ने दी श्रद्धांजलि

कुंडा। नगर पंचायत मानिकपुर के लाटतारा में रविवार को पत्रकार स्व. रमेश मौर्या की 11वीं पुण्यतिथि पर इंडियन प्रेस काउंसिल द्वारा श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें क्षेत्र के गणमान्य लोगों एवं पत्रकारों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पत्रकार स्व. रमेश मौर्या के व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्य अतिथि चंद्रलता जायसवाल ने अपने पति अशोक जायसवाल व प्रतिनिधि आशुतोष जायसवाल डिम्पू के साथ प्रयागराज लखनऊ हाईवे से पत्रकार स्व. रमेश मौर्या के घर जाने वाली सड़क पर भव्य प्रवेश द्वार बनाए जाने के लिए कथावाचक आचार्य सत्यम जी महाराज व आचार्य नारायण की मौजूदगी में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमिपूजन व शिलान्यास कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। नगर पंचायत अध्यक्ष चंद्रलता

जायसवाल ने कहाकि पत्रकार स्व. रमेश मौर्य निष्पक्ष, निडर एवं साहसी पत्रकार थे। वह सदैव शोषित पीड़ित वंचित को न्याय दिलाने के लिए संघर्षरत रहे। उनके इस योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उनके नाम पर भव्य प्रवेश द्वार बनाया जाएगा। चेयरमैन प्रतिनिधि आशुतोष जायसवाल डिम्पू ने कहाकि पत्रकार स्व. रमेश मौर्य आज हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनकी कार्यशैली हमेशा मार्गदर्शन करती रहेगी। उन्होंने इंडियन प्रेस काउंसिल की मांग पर बहुत ही जल्द नगर पंचायत मानिकपुर मे पत्रकार स्व. रमेश मौर्या के नाम पर पत्रकार भवन बनवाए जाने की घोषणा की। वरिष्ठ पत्रकार डॉ. विजय यादव ने कहाकि रमेश मृदुभाषी सरल स्वभाव के साथ ही अपने कर्तव्य के प्रति सदा जागरूक रहते थे और बहुत कम समय में लोगों के हृदय के पास पहुंच गए थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष लोकेश मिश्रा व संचालन संरक्षक अजय मिश्रा ने किया। कार्यक्रम के अंत में इंडियन प्रेस काउंसिल के संयोजक वीसी मिश्रा ने नगर पंचायत अध्यक्ष समेत अतिथियों व पत्रकारों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में पत्रकार स्व. रमेश मौर्य के बेटों रजनीश, सतीश, राम प्रताप पांडेय, कुलदीप कुमार, सोनू गुप्ता, अरुण त्रिपाठी, डीएन मिश्रा, शहबाज खान, अजय मिश्रा, राकेश जायसवाल, अंकुश यादव, अवधेश पांडेय, दिनेश पाल, संदीप साहू, सौरभ मिश्रा, मोनू मिश्रा, विजय मिश्र, सुजीत मिश्रा, अजीत कुमार मिश्रा, अमित पटेल, प्रमोद गौतम, एडवोकेट संदीप मौर्य, रंजीत मौर्य, शिवम मौर्या आदि मौजूद रहे।

शिवम की मौत संदिग्ध, निष्पक्ष जांच करे पुलिस: प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के अध्यक्ष मनीष चौधरी ने ब्राह्मण समाज के युवक शिवम उपाध्याय की मौत के मामले में पुलिस की जांच में कुछ संदिग्ध सामने आने पर एक बार फिर से इस प्रकरण में निष्पक्ष और त्वरित जांच करते हुए मौत के मामले का पर्दाफाश करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि शिवम की बाइक बरामद होने और उसके मोबाइल फोन का डाटा रिकवर होने पर जो तथ्य सामने आये हैं, उन सभी को लेकर शिवम के परिजन उसकी हत्या होने की आशंका व्यक्त कर रहे हैं, इसके लिए जरूरी है कि पुलिस पीड़ित परिवार को अपनी जांच से संतुष्ट करने का काम करे। प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने मीडिया कर्मियों को बताया कि 14 फरवरी की शाम को ब्राह्मण समाज के युवक शिवम उपाध्याय की थाना सिविल लाइन क्षेत्र में संधावली ओवरब्रिज के पास रेलवे लाइन पर लाश मिली थी। इस मामले में पीड़ित परिवार को संदेह है कि युवक की हत्या की गई है, वो शिवम की मौत की जांच की मांग को लेकर पुलिस से मिले थे, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं है। हमारे पास भी पीड़ित परिवार आया तो हमने इसमें एसएचओ सिविल लाइन से मिलकर शिवम की मौत की निष्पक्ष जांच कराते हुए कार्यवाही करने की मांग की थी। इसके बाद एसएचओ ने सूजडू चौकी इंचार्ज को मामले की जांच करने के निर्देश दिये थे। पुलिस द्वारा छानबीन शुरू की गई तो पता चला कि शिवम की मौत के दिन ही उसकी बाइक कृष्णापुरी में ब्याज पर पैसा देने वाले एक युवक द्वारा इसलिए जब्त कर अपने घर खड़ी करा ली गई थी।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

आवश्यक सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की दसवीं और बारहवीं की वार्षिक परीक्षाएँ 15.02.2025 से प्रारम्भ हो चुकी हैं। बोर्ड परीक्षाओं की तिथि सारणी में पहले से ही अवगत कराया गया है कि बोर्ड परीक्षाएँ प्रातः 10:30 बजे (भारतीय समय अनुसार) शुरू होंगी। अतः सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा के दिन सुबह 10:00 बजे तक परीक्षा केन्द्र पर पहुँचना आवश्यक है।

इसके साथ यह भी ध्यान दें कि पूर्व निर्धारित तिथि– सारणी के अनुसार दिनाँक 25.02.2025 (विषय– सामाजिक विज्ञान, कक्षा–10) एवं दिनांक 27.02.2025 (विषय– रसायन विज्ञान, कक्षा–12) की परीक्षा देश के अन्य जनपदों के साथ प्रयागराज जनपद में भी आयोजित होगी। वहीं, दिनांक 26.02.2025 को महाशिवरात्रि मुख्य स्नान के कारण प्रयागराज और निकटवर्ती क्षेत्रों में भारी भीड़ होने की भी संभावना है।

अतः प्रयागराज जनपद से बोर्ड की मुख्य परीक्षा 2025 में सम्मिलित होने वाले सभी परीक्षार्थियों को यह सलाह दी जाती है कि वे उक्त आयोजन के कारण विभिन्न जगहों पर भीड़ और ट्रैफिक की स्थिति को ध्यान में रखते हुए परीक्षा केंद्र पहुंचने की योजना पहले से बना लें और निर्धारित समय से परीक्षा केन्द्र पर पहुँचना सुनिश्चित करें।

क्षेत्रीय अधिकारी
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय,
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

CBC 21107/12/0014/2425

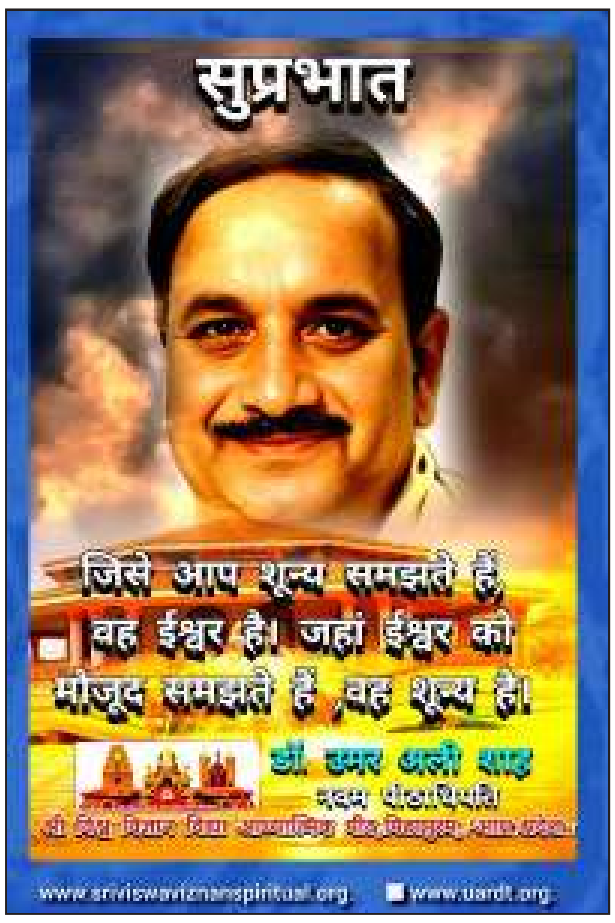

श्री शुकदेव आश्रम में लाला इंद्रप्रकाश स्मृति भवन में हुआ कमरों का लोकार्पण

मोरना। तीर्थ नगरी शुकतीर्थ भागवत पीठ श्री शुकदेव आश्रम में लाला इंद्रप्रकाश स्मृति भवन में चार कमरों का लोकार्पण

हवन यज्ञ के बीच मंत्रोचारण के बीच किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए पीठाधीश्वर ओमानंद महाराज ने कहा कि कहा कि तीर्थ जीर्णोद्धार में में गुरुदेव स्वामी कल्याणदेव के सहयोगी रहे लाला इंद्रप्रकाश सनातन धर्म को समर्पित थे। ट्रस्टी सुधीश प्रकाश ने कहा कि वीतराग संत की सरलता, सादगी और

सदाचरण अतुल्य था। नए कमरों के निर्माण से भागवत भक्तों की सेवा होगी। श्री शुकदेव ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री डा. एम.एल. रंगा ने कहा कि तीर्थ में पुण्य भाव से दिया सहयोग सौभाग्यवान बनाता है। इससे पहले श्री शुकदेव आश्रम में वेद मंत्रों से पूजन एवं यज्ञ में आहुतियां दी गई तत्पश्चात ट्रस्टी सुधीश प्रकाश ने लोकार्पण किया। टिकौला चीनी मिल के निदेशक अमित एवं मयूरी स्वरूप यजमान रहे। कार्यक्रम में शारदा प्रकाश, बीना प्रकाश, अमित स्वरुप, कंदर्प स्वरुप, यज्ञ पुरोहित आचार्य जीसी उप्रेती रहे। मंत्रपाठ युवराज, ठाकुर और संस्कृत विद्यालय के विद्यार्थियों ने किया। समापन पर श्री शुकदेव अन्न क्षेत्र में भंडारे का आयोजन किया गया। ट्रस्टी ओमदत्त देव, दीपक मिश्रा, धन प्रकाश, अरुण धीमान आदि मौजूद रहे।

ग्रामीणों की शिकायत पर विकास कार्यों की जांच को पहुंची टीम

भोपा।सीकरी गांव मे हुए विकास कार्यों मे गड़बड़ी की शिकायत अनेक ग्रामीणों द्वारा की गयी थी। जिस पर संज्ञान लेते हुए अधिकारियो की टीम ने किये गये कार्यों की जांच की। भोपा थाना क्षेत्र के गांव सीकरी निवासी राजन,शहजाद, सलेकचंद, कलीम, पूरन ने बताया की गांव मे हुए विकास कार्यों मे बड़ा भ्र्ष्टाचार किया

गया है।तालाब पर फिलटर चेम्बर, खुशीपुरा मे नेडफ कार्य, हेंडपम्प पर रेटरो फिटिंग, ओ डी एफ कार्य, कूड़ा संग्रह केन्द्र, नाला निर्माण, प्लास्टिक बैग, खुशीपुरा मे नाला निर्माण, योगेन्द्र नगर मे सोकपिट, योगेन्द्र नगर मे वर्मी कम्पोस्ट प्लांट, सामुदायिक सोकपीट, ओ डी एफ, रेफ्रीजरेटर के सबमरसिबल न कराने सहित दर्जनों से अधिक शिकायत कर जाँच की मांग की गयी थी। सोमवार को अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग सुधांशु मनोहर सिंह व अवर अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण मदनपाल की टीम ने अनेक स्थानों पर जाकर कार्यों की जांच की। अवर अभियंता मदनपाल ने बताया की जिलाधिकारी के आदेशानुसार सीकरी गांव मे विकास कार्यों की मिली शिकायत पर मौके पर आकर कार्यों की जांच शिकायतकर्ताओं की उपस्थिति मे की गयी है। जांच के उपरांत उच्चधिकारियों को आख्या प्रस्तुत की जायेगी। वहीं शिकायतकर्ताओं ने बताया की गांव मे हुए विकास कार्यों मे भ्रष्टाचार की शिकायत वह काफी समय से करते रहे हैं।

टी सी में गड़बड़ी के चलते छात्रा की छूट गयी परीक्षा

मोरना। क्षेत्र के कुछ स्कूलों मे टी सी मे गड़बड़ी का खेल जारी है। जिससे बच्चों का भविष्य दांव पर लग गया है।टी सी मे गड़बड़ी के चलते हाईस्कूल की छात्रा परीक्षा से महरूम हो गयी है। बच्चों के जीवन से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग नागरिकों ने की है। कस्बा भोकरहेड़ी के मोहल्ला नई बस्ती निवासी सिराजू की पुत्री रजिया हाईस्कूल की छात्रा है। किन्तु वह सोमवार को परीक्षा मे शामिल नहीं हो सकी है। रजिया ने बताया की उसकी वर्ष भर की मेहनत पानी मे बह गयी है।जिस स्कूल से उसने आठवीं कक्षा को उत्तीर्ण किया था उस स्कूल द्वारा उसके साथ धोखा किया गया है। टी सी गलत होने के कारण वह दो वर्ष बाद आज हाई स्कूल की परीक्षा से महरूम हो गयी। उस स्कूल मे अध्ययनरत अन्य छात्राओं के साथ भी ऐसा ही हुआ होगा। उसके पिता मजदूरी कर पांच बहन भाइयो की आजीविका चलाते हैं। पिछले दो माह से उसके पिता टी सी को दुरुस्त कराने के लिए प्राथमिक पब्लिक स्कूल व आठवीं तक शिक्षा प्रदान करने वाले स्कूल के चककर काट रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र मे ऐसे स्कूल का संचालन किया जा रहा है जो त्वरित लाभ का प्रलोभन देकर बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं।

सम्पादकीय.....

बजट पर भारी पड़ती मुफ्त योजनाए

केन्द्र एवं राज्य सरकार जब भी बजट पेश करती है उनके सामने आगामी चुनाव छाया की तरह नजर आता है। सरकारों को शायद अब इस बात की चिंता बिल्कुल नहीं रह गई है कि मुफ्त की योजनाएं चलाने से खजाने पर पड़ने वाले बोझ की भरपाई कहां से हो पाएगी। मुफ्त योजनाओं को लेकर सर्वोच्च न्यायालय भी नसीहत दे चुका है और अनेक अर्थ शास्त्री मुफ्त योजनाओं को लेकर समय समय पर सावधान करते रहे हैं, पर हर सरकार चुनावी समीकरण को ध्यान में रखते हुए न केवल पहले से चल रही मुफ्त की योजनाओं को जारी रखने का प्रयास करती हैं, बल्कि कुछ नई योजनाएं भी घोषित करती देखी जाती है। उत्तर प्रदेश सरकार का इस वर्ष का बजट इसका ताजा उदाहरण है। वहां पहले से विद्यार्थियों, खासकर छात्राओं को मुफ्त लैपटाप, टैबलेट, मोबाइल फोन आदि बांटने की योजना चल रही है। अब 25–26 के बजट में मेधावी छात्राओं को मुफ्त स्कूटी बांटने के लिए चार सौ करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है। आठ लाख आठ हजार सात सौ छत्तीस करोड़ रुपए के इस बजट में पिछले वर्ष की तुलना में 9.8 फीसद अधिक धन का प्रावधान किया गया है। मगर बजट का काफी बड़ा हिस्सा मथुरा वृंदावन और मीरजापुर जैसी जगहों पर धार्मिक गलियारों के विकास, मंदिरों के जीर्णोद्धार – पुनरुद्धार और द्रुतगामी मार्गों के लिए आबंटित किया गया है। पहले से चल रही लखपती दीदी जैसी योजनाओं का दायरा और बढ़ाने के लिए बड़ी राशि आबंटित की गई है। बजट सरकार एवं सरकारों के कामकाज का आईना होते हैं। बजट संकेत देता है कि कोई सरकार अगले एक वर्ष में क्या काम करने जा रही है और उसकी प्राथमिकता क्या होगी। जनअपेक्षा की जाती है कि सरकारें जनकल्याण और सामाजिक कल्याण के कार्यों पर अधिक खर्च करें। ऐसी योजनाओं को प्रोत्साहित करें, जिससे राज्य और देश के आर्थिक विकास को बल मिले। जबकि मुफ्त की योजनाओं का व्यापक अनुभव यही रहा है कि वे अनुत्पादक साबित होती हैं। उनसे सरकार पर वित्तीय बोझ ही बढ़ता है। पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय ने कड़े शब्दों में कहा कि सरकारें मुफ्त की योजनाएं चला कर लोगों को अकर्मण्य बना रही हैं। अब उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने बजट में चार सौ करोड़ रुपए मुफ्त स्कूटी बांटने के लिए आबंटित किए हैं, तो जाहिर है, उसका मकसद अगले चुनाव में लोगों को आकर्षित करने का है, इसके कोई उत्पादक नतीजे नहीं निकलने वाले। इसके बरक्स विचित्र है कि सरकार ने उच्च शैक्षिक संस्थानों और राज्य विश्वविद्यालयों में आधारभूत ढांचा मजबूत करने के लिए महज पचास करोड़ रुपए आबंटित किए हैं। नए बन रहे महाविद्यालयों के लिए भी पचास करोड़ रुपए तय किए हैं।उत्तर प्रदेश में शिक्षा के स्तर को लेकर अनेक बार अंगुलियां उठती रही हैं। बोर्ड परीक्षाओं में नकल, प्रतियोगी परीक्षाओं में पर्चाफोड़ और अनियमितताओं आदि को लेकर सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में अगर मेधावी छात्राओं को मुफ्त स्कूटी दे भी दी जाए, तो उनके जीवन में कितना बदलाव आ जाएगा, कहना मुश्किल है। अगर शिक्षा का स्तर सुधारने को लेकर सरकार सचमुच संजीदा होती, तो वह शैक्षिक संस्थानों के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने, विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक सुविधाएं बेहतर बनाने, स्कूल–कालेजों में अध्यापकों के खाली पदों पर भर्ती आदि पर जोर देती। स्कूटी, लैपटाप, टैबलेट, मोबाइल जैसे साधन देने से वास्तव में उन्हें कितना लाभ मिलेगा, इसका आकलन शायद नहीं किया गया। मुफ्त योजनाओं पर यह सवाल दो साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही खड़ा किया था, जब कांग्रेस ने कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश के चुनावों में भी महिलाओं और नौजवानों के लिए ऐसे ही वादे किए थे। हिमाचल में कांग्रेस ने दस चुनावी वादे किए थे। तीनों जगह महिलाओं और नौजवानों को लुभाने के लिए उन्हें हर महीने भत्ता देने का वादा हुआ। कह सकते हैं, पार्टी को इसका फायदा भी मिला। लेकिन तेलंगाना में केसीआर और आंध्र में जगन मोहन रेड्डी अपनी सरकारों की कल्याणकारी योजनाएं गिनाते रह गए और वोटरों ने उनका साथ नहीं दिया। जबकि मध्य प्रदेश में भाजपा की जीत में ऐसी ही योजनाओं की बड़ी भूमिका मानी जा रही है। राज्यों के चुनाव को छोड़ भी दें, तो देश की राजनीति में किसान सम्मान योजना, मुफ्त रसोई गैस, मुफ्त शौचालय, मुफ्त घर और मुफ्त अनाज योजना ने जो भूमिका निभाई है, उसे भला कैसे नजरंदाज करेंगे ?नोबेल विजेता अर्थशास्त्री भी अब कह रहे हैं कि आने वाले वक्त में सबके लिए काम जुटाना संभव नहीं होगा, ऐसे में सरकारों को न सिर्फ गरीबों को मदद देने, बल्कि बिना उनके आत्मसम्मान को चोट पहुंचाए मदद का इंतजाम करना पड़ेगा।

धरती पर 'मिनी सूरज' उगाने का संकल्प

प्रेम शर्मा

टोकामक में बनी ऊर्जा बर्तन की दीवारों में गर्मी के रूप में अवशोषित होती है। इसे थर्मल इन्सुलेशन के लिए बड़े क्रायोस्टेट में रखा जाता है। अनुमान है कि प्रोजेक्ट के सफल होने पर इस पावर प्लांट से 500 मेगावाट न्यूक्लियर एनर्जी का उत्पादन किया जाएगा।

हाल ही में अपनी फ्रांस यात्रा के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल थर्मो न्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर (आईटीईआर), यानी दुनिया के उस प्रोजेक्ट को देखने गए, जिसके तहत धरती में कृत्रिम 'मिनी सूरज' बनाने की कोशिश हो रही है। यह कोशिश दुनिया के कई देशों के वैज्ञानिक मिलकर कर रहे हैं, जिनमें भारतीय भी हैं। प्रधानमंत्री मोदी इस प्रोजेक्ट को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ देखने गए थे। उल्लेखनीय है कि भारत भी तो इस प्रोजेक्ट का एक अहम हिस्सेदार है। हम न केवल इस प्रोजेक्ट की लागत में हिस्सेदारी कर रहे हैं बल्कि हमारे कई वैज्ञानिक इस प्रोजेक्ट की कोर टीम का हिस्सा हैं। दरअसल सूरज में जिस प्रक्रिया से ऊर्जा उत्पन्न होती है, इस प्रोजेक्ट का मकसद उसी प्रक्रिया से बिजली उत्पन्न करना है। एक तरह से वैज्ञानिक धरती में कृत्रिम 'मिनी सूरज' बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यह अब तक का दुनिया का सबसे महंगा और महत्वाकांक्षी एक्सपेरिमेंटल प्रोजेक्ट है,जो अगर सफल हुआ तो असीमित मात्रा में बिजली पैदा करेगा। इस प्रोजेक्ट के तहत दुनिया की सबसे बड़ी 'टोकामक' बनायी जा रही है। टोकामक रशियन शब्द है जिसका मतलब एक ऐसी मशीन है,जिसका इस्तेमाल परमाणु संलयन से ऊर्जा पाने के लिए किया जाता है। वास्तव में यह एक प्रायोगिक डिवाइस है, इसमें चुंबकीय क्षेत्र का इस्तेमाल करके प्लाज्मा को 'डोनट' के आकार में सीमित कर दिया जाता है। इस आकार को वैज्ञानिकों की भाषा में टोरस कहते हैं। यह वैक्यूम वेसल 'सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट' होता है। टोकामक में गरम प्लाज्मा को एक निश्चित आयतन में बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया होता है। टोकामक में बनी ऊर्जा बर्तन की दीवारों में गर्मी के रूप में अवशोषित होती है। इसे थर्मल इन्सुलेशन के लिए बड़े क्रायोस्टेट में रखा जाता है। अनुमान है कि प्रोजेक्ट के सफल होने पर इस पावर प्लांट से 500 मेगावाट न्यूक्लियर एनर्जी का उत्पादन किया जाएगा। दुनिया के इस सबसे बड़े एक्सपेरिमेंटल प्रोजेक्ट आईटीईआर की शुरुआत साल 2006 में फ्रांस के राष्ट्रपति भवन में हुई, जहां दुनिया के सात देश इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर साथ–साथ काम करने को राजी हुए। ये देश थे– अमेरिका, यूरोपीय यूनियन, रूस, चीन, भारत और दक्षिण कोरिया। आज इस प्रोजेक्ट में 30 देश अपना योगदान दे रहे हैं। इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य है न्यूक्लियर फ्यूजन यानी परमाणु संलयन में महारत हासिल करना। न्यूक्लियर फ्यूजन सूर्य और बाकी तारों में होने वाली एक प्रक्रिया है,जिससे उनमें गर्मी पैदा होती है। लेकिन पृथ्वी पर न्यूक्लियर फ्यूजन की नकल करके एक मिनी सूरज बना लेना बेहद मुश्किल है। लेकिन यदि ऐसा हो गया तो फिर हमें असीमित मात्रा में ऊर्जा मिल सकती है। साथ ही यह ऊर्जा जीवाश्म ईंधन की तरह ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन भी नहीं करेगी। न्यूक्लियर फ्यूजन में किसी तरह का रेडियोएक्टिव कचरा नहीं निकलता। इस मिनी सूरज प्रोजेक्ट का सात सालों तक नेतृत्व करने वाले फ्रांस के बर्नार्ड बिगोट ने एक बार कहा था, 'हम यहां जो करने की कोशिश कर रहे हैं, अगर उसमें सफल रहे यानी मिनी सूरज बना लिया तो फिर इंसान द्वारा बनाया गया यह सूरज कभी नहीं डूबेगा यानी यह 'फ्यूजन पावर प्लांट' हर समय चलता रहेगा।'इस प्रोजेक्ट के तहत जो एक मिनी सूरज बनाया जा रहा है,उसमें असीमित ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए दो हाइड्रोजन परमाणुओं को बहुत अधिक वेग से एक दूसरे की तरफ धकेला जाता है, इससे ये दोनों जुड़कर हीलियम परमाणु बनाते हैं। साथ ही इस दौरान न्यूट्रॉन भी बनता है,जिससे अत्यधिक मात्रा में ऊर्जा निकलती है। प्रोजेक्ट के विशेषज्ञों का मानना है कि फ्यूजन एनर्जी पैदा करना मुश्किल नहीं है, इसे लगातार बनाए रखना मुश्किल है। आईटीईआर प्रोजेक्ट का आकार इतना बड़ा है, जिसमें 39 बड़ी इमारतें बन सकती हैं। साइट पर मौजूद वैज्ञानिकों का कहना है कि न्यूक्लियर फ्यूजन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली डिवाइस टोकामक का वजन 23,000 टन है। यह वजन तीन एफिल टावर के संयुक्त वजन के बराबर है। इस रिएक्टर में दस लाख घटक शामिल हैं, जो कम से कम एक करोड़ छोटे भागों में बंटे हुए हैं। रिएक्टर में लगभग 4,500 कंपनियों से जुड़े सैकड़ों वैज्ञानिक और कर्मचारी दिन–रात काम कर रहे हैं। शुरु में प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत करीब 5 अरब डॉलर थी लेकिन समय के साथ यह बढ़कर 22 अरब डॉलर हुई मगर अब अमेरिका के ऊर्जा विभाग का अनुमान है कि प्रोजेक्ट की कीमत 65 अरब डॉलर तक हो सकती है। इसे दुनिया का सबसे मंहगा वैज्ञानिक प्रोजेक्ट कहा जा रहा है। पहले माना जा रहा था कि प्रोजेक्ट 2020 तक पूरा हो जाएगा लेकिन जुलाई 2024 तक रिएक्टर सिर्फ पूरी तरह से असेंबल हो पाया था। अब वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 2039 तक यह प्रोजेक्ट काम करना शुरू कर सकता है। भारत इस प्रोजेक्ट में 10 प्रतिशत खर्च की जिम्मेदारी उठा रहा है व 17,500 करोड़ रुपए देने का वादा किया है। साथ ही करीब 25 से 30 भारतीय वैज्ञानिक हमेशा इस प्रोजेक्ट में मौजूद होते हैं। यूरोपीय संघ प्रोजेक्ट की लागत का 45 प्रतिशत खर्च उठा रहा है। हमारा इस मायने में एक और अहम योगदान है कि रिएक्टर को ठंडा करने के लिए जिस 'क्रायोस्टेट फ्रीजर' का इस्तेमाल हो रहा है,उसे हमारी लार्सन एंड टुब्रो कंपनी ने ही बनाया है। यह दुनिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा फ्रीजर है। इससे रिएक्टर को–193 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा किया जायेगा। क्रायोस्टेट 54 यूनिट्स से मिलकर बना है, इसे 2020 में फ्रांस भेजा गया था

सनातन, आस्था व विकास को समर्पित योगी सरकार का बजट

मृत्युंजय दीक्षित

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने वर्ष 2025–26 के लिए सनातन को समर्पित करते हुए सामाजिक सरोकारों वाला व्यापक बजट प्रस्तुत किया है जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग तथा जीवन के हर क्षेत्र का ध्यान रखा गया है। सर्वसमावेशी होने के कारण छात्र, किसान, व्यापारी, महिलाएं, विषय विशेषज्ञ और उद्योगपति सभी इस बजट की सराहना कर रहे हैं। बजट में धर्मस्थलों के विकास व पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त धन दिया गया है। प्रदेश सरकार के बजट में हर उस क्षेत्र तक पहुंच बनाने का प्रयास किया गया है जो आर्थिक विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। बजट में अयोध्या, मथुरा, नैमिषारण्य और चित्रकूट जैसे धार्मिक स्थलों पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रदेश के वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने बजट भाषण का प्रारम्भ महाकुंभ के आयोजन से किया और फिर धर्मस्थलों के विकास के लिए अपना खजाना खोल दिया। श्री काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर व मां विन्ध्यवासिनी कॉरिडोर की स्थापना के बाद सरकार मथुरा में श्री बांकेबिहारी जी महाराज मंदिर, मथुरा–वृंदावन कॉरिडोर का निर्माण करायेगी। इसके लिए भूमि उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 100 करोड़ और निर्माण के लिए 50 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। नैमिषारण्य में वेद विज्ञान केंद्र की स्थपना के लिए 100 करोड़ रु. खर्च किये जायेंगे। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए पहले ही 25 करोड़ बजट के साथ पांच एकड़ भूमि आवंटित की जा चुकी है। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के केंद्र में वैदिक पर्यावरण, वैदिक गणित, वैदिक विधिशास्त्र, वैदिक योग विज्ञान, वैदिक वन औषधियां वनस्पति आदि पाठ्यक्रम होंगे। यहां पर बड़े वैदिक पुस्तकालय का भी निर्माण कराया जाएगा, साथ ही वेदशाला,वैदिक संग्रहालय, तारा मंडल, संगोष्ठी कक्ष बनाये जाएंगे। केंद्र में गुरुकुल व आधुनिक पद्धति के अंतर्गत कक्षाएं बनायी जायेंगी। मुख्यमंत्री पर्यटन स्थल विकास योजना के तहत 400 करोड़ रु. खर्च किये जायेंगे। अयोध्या में पर्यटन अवस्थापना विकास के लिए 150 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। इसी तरह मथुरा में 125 करोड़ नैमिषारण्य मे 100 करोड़ चित्रकूट में 50 करोड़ खर्च करने का प्रावधान किया गया है। मिर्जापुर में मां विन्ध्यवासिनी मंदिर, मां अष्टभुजा मंदिर मां काली खोह मंदिर के परिक्रमा पथ व जनसुविधा स्थलों का विकास किया जायेगा। संरक्षित मंदिरो के जीर्णोद्वार के लिए 30 करोड़, महाभारत सर्किट के पर्यटन विकास के लिए 10 करोड़, जैन सर्किट के विकास के लिए भी धन उपलब्ध कराया गया है। विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए भी धन का प्रावधान किया गया है। गुरुस्वामी हरिदास की स्मृति में अंतरराष्ट्रीय संगीत समारोह के लिए एक करोड़ और अयोध्या में जिला स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय के लिए भी एक करोड़ की धनराशि रखी गई है। योगी सरकार ने वर्तमान बजट से धार्मिक पर्यटन के माध्यम से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की लौ प्रदीप्त की है। बजट में महापुरुषों पर भी ध्यान दिया गया है जिसके अंतर्गत बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के नाम पर लखनऊ में स्मारक और सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही हर जिले में 100 एकड़ में पीपीपी मॉडल पर सरदार पटेल जनपदीय आर्थिक क्षेत्र स्थापित किया जायेगा। संत कबीर के नाम पर 10 वस्त्रोद्योग पार्क तथा संत रविदास के नाम पर दो चर्मोद्योग स्थापित किये जाएंगे। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष में उनके सम्मान में नगरीय क्षेत्रों में पुस्तकालय की स्थापना की जाएगी। लखनऊ स्थित अटारी कृषि प्रक्षेत्र पर 251 करोड़ रु. की लागत से पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चरण सिंह के नाम पर सीड पार्क की स्थापना होगी। प्रत्येक कृषि मंडी में माता शबरी के नाम पर कैंटीन और विश्रामालाय स्थापित किये जायेंगे।बजट में युवाओं और छात्राओं को आकर्षित करने के लिए भी प्रावधान किये गये हैं। अब प्रदेश की हर मेधावी छात्रा को स्कूटी दी जायेगी छात्राओं के लिए 400 करोड़ रु. रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना का ऐलान किया गया है। यही नही माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर श्रमजीवी महिलाओं के लिए छात्रावास भी बनेंगे। प्रदेश के बजट में युवा उद्यमी अभियान के लिए भी 1000 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। संपूर्ण उत्तर प्रदेश के व्यापक विकास का विस्तृत खाका बजट में रखा गया है। बजट के अनुसार अवध में केवल अयोध्या का ही विकास नहीं हो रहा अपितु अवध के हर जिले के विकास की अद्भुत पटकथा लिखी जायेगी। बजट के प्रावधान इस प्रकार से बनाये गये हैं कि एक प्रकार से यह आगामी 25 वर्षों के विकास का रोडमैप प्रस्तुत कर रहा है। उत्तर प्रदेश में चार नए एक्सप्रेस वे के निर्माण से तीन तीर्थस्थलों काशी, प्रयागराज व हरिद्वार की यात्रा सरल हो जायेगी। चार नए एक्सप्रेस वे के लिए बजट में 1,050 करोड़ रु. की व्यवस्था कर दी गई है। गंगा एक्सप्रेस वे को प्रयागराज, मिर्जापुर, वाराणसी, चंदौली होते हुए सोनभद्र से जोड़ने के लिए विन्ध्य लिंक एक्सप्रेस वे का निर्माण किया जायेगा। इससे इस क्षेत्र के विकास की गति दोगुनी हो जायेगी व धार्मिक पर्यटन और बढ़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह युवाओं को रोजगार देने वाला बजट है। बजट में एमएसएमई, नई तकनीक, एआई व साइबर सुरक्षा का भी ध्यान रखा गया है। नए एक्सप्रेस– वे बनने से दूर की यात्रा आसान होगी। नए एक्सप्रेस वे बनने से व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। एआई सिटी बनाने की घोषणा से स्टार्टअप और आईटी उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।प्रदेश का बजट इंफ्रास्टक्चर को बढ़ावा देने के साथ बेरोजगारों को रोजगारपरक बनाने वाला बजट है। यह बजट राज्य की तकनीकी प्रगति औद्योगिक विकास और स्वास्थ्य अवसंरचना के लिए प्रतिबद्धता को दर्शा रहा है। प्रदेश के बजट में सड़क राजमार्ग के चौड़ीकरण पर भी पर्याप्त फोकस किया गया है। इसका सर्वाधिक लाभ राजधानी लखनऊ व उसके आसपास के जिलों व कस्बों आदि को मिलेगा। मोहनलालगंज –गोसाईगंज होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेस– वे निकल रहा है इसका चौड़ीकरण किया जायेगा। इसी तरह बनी से ही एक रोड हरौनी होते हुए मोहन को निकली है इसे भी दो लेन का किया जायेगा। यह बजट समग्र विकास वाला बजट है। इसमें किसानों, उद्यमियों, महिलाओं और युवाओं के लिए अनेक प्रावधान किये गये हैं। बजट में कोरोना काल में अनाथ 1430 बच्चों को आर्थिक सहायता प्रादन करने के लिए 250 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। बजट में सात सरोकारों पर्यावरण संरक्षण ,नारी सशक्तीकरण, जल सरंक्षण, सुशिक्षित समाज, जनसंख्या नियोजन, स्वस्थ समाज, गरीबी उन्मूलन पर भी ध्यान दिया गया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए बजट का 23 प्रतिशत हिस्सा पर्यावरण अनुकूलन पहली पर खर्च किया जायेगा। सरकार वनीकरण, कार्बन अवशोषण और पयार्वरण एवं प्राकृतिक संसाधनों के सरंक्षण को और अधिक बढ़ावा देने जा रही है। इसी प्रकार सुशिक्षित समाज के अंतर्गत शिक्षा क्षेत्र पर कुल बजट का 13 प्रतिशत हिस्सा खर्च किया जायेगा। इसी प्रकार स्वस्थ समाज के लिए कुल बजट का छह प्रतिशत हिस्सा स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च होगा। प्रदेश में जलसंरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 4500 करोड़ रु. की व्यवस्था की गई है। इसके अंतर्गत वर्षा जल संचयन एवं भूजल संवर्धन के लिए 90 करोड़ रु. की व्यवस्था प्रस्तावित है। इसमें तालाबों का जीर्णोद्धार तथा निर्माणा भी शामिल है। जनसंख्या नियोजन के अंतर्गत युवाओं को नवाचार से जोड़ने के लिए इनोवेशन फंड स्थापित किया जा रहा है। गरीबी उन्मूलन के लिए भी 250 करोड़ रु. की व्यवस्था प्रस्तावित है। बजट में सभी मंडल मुख्यालयों पर विकास प्राधिकरणों, नगर निकायों द्वारा कन्वेंशन सेंटर का निर्माण कराया जायेगा। ग्राम पंचायतों में वैवाहिक उत्सव एवं अन्य सामाजिक आयोजनों के लिए उत्सव भवन निर्माण की कार्ययोजना पर भी कार्य किया जायेगा। यह बजट सभी वर्गो के लिए है अर्थात समग्रता पर आधारित है जिससे इसकी छाप वैश्विक होने जा रही है।

एआई में हासिल महारत बनाएगी विकसित भारत

लोकमित्र गौतम

महान वैज्ञानिक चंद्रशेखर वैंकेटरमण के 'रमण प्रभाव' खोज को समर्पित भारतीय विज्ञान दिवस हर साल देश व समाज की वैज्ञानिक दिशा तय करने के लिए एक थीम या केंद्रीय विषय का चुनाव करता है। इस साल की राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम, 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार' है। इस थीम का मकसद वैश्विक नेतृत्व हेतु भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना है। यह भी कि देश के मौजूदा विकास और भविष्य की वैज्ञानिक दिशा को तय करने के लिए नवाचारों को महत्व देना है। युवाओं को इनकी तरफ आकर्षित करना है। इसके लिए भला आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के अलावा दूसरी मंजिल क्या हो सकती है? जिसके लिए हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस में आयोजित एआई समिट में कहा, 'भारत देश और दुनिया की समृद्धि के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर फोकस करेगा।' एक अनुमान के मुताबिक, साल 2035 तक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में सकारात्मक योगदान से देश के कुल जीडीपी में एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का इजाफा होगा। इससे समझा जा सकता है कि हमारे खुद के लिए और दुनिया के भविष्य के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस कितनी महत्वपूर्ण है। अकारण नहीं है कि अगले पांच सालों में अकेले यूरोपीय यूनियन 43 बिलियन डॉलर का निवेश इस फील्ड में करने जा रहा है, तो चीन, अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित सारी दुनिया अगले एक दशक में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में लगभग 50 ट्रिलियन तक का निवेश करेगी। अब के पहले किसी भी दौर में तकनीक में किसी क्षेत्र विशेष पर दुनिया न तो इतना फोकस हुई थी और न ही इतने बड़े पैमाने पर किसी क्षेत्र में निवेश हुआ है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर दुनिया कितना बड़ा दांव लगा रही है और ऐसा हो भी क्यों न, जब हर कोई यह मान रहा हो और मानने से ज्यादा देख रहा हो कि एआई हमारी रोजगार की दुनिया में हर क्षेत्र में चमत्कारी ढंग से बदलाव कर रही है। भारत के लिए इस समूचे परिदृश्य में सबसे बड़े संतोष की बात यह है कि हम भले वर्तमान में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में कोई बड़ी ताकत न दिखते हों, लेकिन दुनियाभर के एआई विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में इस क्षेत्र का सबसे बड़ा खिलाड़ी हम ही होंगे। एआई द्वारा विकसित पहले विस्तृत, लैंग्वेज मॉडल, चौटजीपीटी के आविष्कारकों में से सैम अल्टमैन, जो कि ओपन एआई के सीईओ हैं, ने नई दिल्ली में सार्वजनिक रूप से कहा है कि भारत आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के भविष्य का सबसे बड़ा खिलाड़ी है। यह इसलिए अतिश्योक्ति नहीं लगता, क्योंकि आज भी हमारे पास एआई का भले कोई प्रोडक्ट न हो, जिसने हाल के दिनों में दुनियाभर में तहलका मचाया हो, लेकिन एआई के गढ़ सिलिकान वैली में जो सबसे ज्यादा स्किल्ड इंजीनियर एआई की दुनिया को नई दिशा दे रहे हैं, उनमें अधिकतम भारतीय ही हैं। स्किल्ड मैनपॉवर की बदौलत पूरी दुनिया एआई और भारत की तरफ देख रही है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और रोबोटिक्स ने पूरी दुनिया का चेहरा बदल दिया है। आज के सारे नवाचार इसी तकनीकी में आ सिमटे हैं। भारत इस वजह से भी इस क्षेत्र का आने वाले सालों में बड़ा खिलाड़ी होगा। क्योंकि हमने पहले से ही एआई का व्यापक उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्रों में शुरू कर दिया है। हालांकि इस सबके कारण समाज में यह व्यापक धारणा भी बन चुकी है कि एआई बड़े पैमाने पर भारतीयों को बेरोजगार कर रही है। लेकिन लगता है इस धारणा का खंडन करने के लिए ही प्रधानमंत्री मोदी ने पेरिस में दिये गये अपने एक कीनोट एड्रेस में कहा कि कोई भी तकनीक नौकरियां नहीं छीनती, शायद उनका इशारा उन लोगों को जवाब देना था, जो एआई के विरोध में आंदोलन छेड़ने की कोशिश कर रहे हैं। 90 के दशक में देश में जैसे रोजमर्रा की जिंदगी में कंप्यूटर को पेश किया गया था, तब भी कंप्यूटर की बहुत मुखालफत हई थी, लेकिन आज कोई छोटे से छोटा ऑफिस या प्रोफेशनल बिना कंप्यूटर के कुछ भी कर पाने में असमर्थ है। ठीक यही स्थिति आने वाले दिनों में एआई की होने जा रही है। वास्तव में एआई बहुत तेजी से भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनने जा रही है। नेस्कॉम की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2035 तक एआई भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 500 बिलियन डॉलर का इजाफा कर सकती है। आज उत्पादन यानी मैन्यूफैक्चरिंग, ई–कॉमर्स और सेवा क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की कोर भूमिका है। भारतीय शिक्षा संस्थानों जैसे आईआईटीज और दूसरे प्रमुख विश्वविद्यालय इस समय एआई को लेकर बहुत तेज रफ्तार से रिसर्च करने में जुटे हुए हैं। भारत सरकार ने इंडिया एआई मिशन के तहत एआई अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने की रणनीति बनायी है। यूं तो सभी क्षेत्रों में एआई का इस्तेमाल तेज रफ्तार से बढ़ रहा है, मगर जिस तरह से स्वास्थ्य के क्षेत्र में मसलन डिजिटल हेल्थ मिशन में एआई आधारित डायग्नोसिस और टेली–मेडिसिन तूफानी रफ्तार से बढ़े हैं, वैसा एआई का इस्तेमाल शायद ही किसी दूसरे क्षेत्र में हुआ हो। एक तरफ जहां आने वाले दिनों में सेवा क्षेत्र पूरी तरह से एआई तकनीक पर निर्भर रहेगा, ठीक उसी तरह हेल्थ केयर सेक्टर में भी एआई पावर्ड रोबोटिक्स, सर्जरी और चिकित्सा इमेजिंग का उपयोग कैंसर और टीबी जैसी असाध्य बीमारियों की पहचान और उन्हें खत्म करने में जैसी भूमिका निभायेगा, वैसी दूसरे किसी क्षेत्र में देखना मुश्किल होगा। कृषि क्षेत्र में भी एआई का बहुत तेजी से उपयोग बढ़ रहा है। ड्रोन और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) सेंसर के माध्यम से फसलों की लगातार निगरानी और उनकी बेहतरी का विश्लेषण जारी है। एआई तकनीक में समृद्ध होने के साथ साथ किसानों को मौसम का सटीक पूर्वानुमान मिल रहा है। मिट्टी में अनुकूल बीजों और फसलों की पहचान चिन्हित हो रही है। शायद इसीलिए नीति आयोग का कृषि एआई मॉडल पर सबसे ज्यादा भरोसा है। रक्षा और अनुसंधान क्षेत्र में भी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस कमाल की रफ्तार से आगे बढ़ रही है। भारतीय रक्षा अनुसंधान संगठन (डीआरडीओ) और सेना मिलकर एआई आधारित स्मार्ट हथियार, निगरानी प्रणाली और साइबर सुरक्षा तंत्र विकसित कर रहे हैं। भारतीय सेना ड्रोन सर्विलांस और एआई आधारित युद्ध रणनीतियों को तेजी से विकसित करने में लगा हुआ है। भारत की स्मार्ट सिटी परियोजनाएं, डिजिटल इंडिया मिशन, स्टार्टअप्स इको सिस्टम जैसे महत्वाकांक्षी क्षेत्र सिर्फ इंटरनेट के बेहतर इस्तेमाल और एआई के उपयोग के चलते ही संभव है। भारत को अगर दुनिया के बहुत से देश भविष्य में एआई का अगुवा मान रहे हैं तो इसके पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि भारत में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का न केवल उपयोग क्षेत्र व्यापक है बल्कि इसके लिए हमारे यहां का वातावरण भी अनुकूल है।

रश्मिका मंदाना

ने बताया, नाइट शूट के लिए क्या है पसंदीदा स्नैक

अपनी हालिया रिलीज 'छावा' की सफलता का लुत्फ उठा रहीं अभिनेत्री रश्मिका ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने प्रशंसकों को रात भर शूटिंग के बाद भोर में किए अपने नाश्ते की झलक दिखाई, जो उनके नाइट शूट या रात में किए अथक मेहनत को और भी खास बना देता है।'छावा' की सफलता के बाद अभिनेत्री अब सलमान खान स्टारर 'सिकंदर' की शूटिंग में लगी हुई हैं। रश्मिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर दोने से भरी एक ट्रे की तस्वीर शेयर की, जिसमें दो मिनट के इंस्टेंट नूडल्स भरे हुए थे। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, हमारे 4 बजे का स्नैक। यह हमारी नाइट शूट को और भी बेहतर बनाता है। रश्मिका ने हाल ही में एक पोस्ट शेयर कर बताया था कि वह 'सिकंदर' की शूटिंग कर रही हैं। उन्होंने बताया कि वह एक एक्टर के अस्त–व्यस्त जीवन में वापस आ चुकी हैं। रश्मिका ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर उल्लेख किया कि वह 'सिकंदर' की नाइट शूट में व्यस्त हैं। उन्होंने कोरियाई अंदाज में दिल बनाती एक तस्वीर भी शेयर की। कैप्शन में लिखा, 'सिकंदर' नाइट शूट। मुझे लगता है कि मैं एक अभिनेता के तौर पर इस व्यस्त समय में वापस आ चुकी हूं।" सिकंदर ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया था, जिसमें सलमान खान अलग अंदाज में नजर आए थे। इसमें अभिनेता लाल और हरे रंग की लाइटिंग के बीच बेलौस नजर आ रहे थे तो क्लोजअप में गुस्से से भरपूर! पोस्टर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा था, "सिकंदर ईद पर आ रहा है। इससे पहले जानकारी आई थी कि 'सिकंदर' के साथ अक्षय कुमार की कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 5' का ट्रेलर भी रिलीज होगा। निर्माता सलमान खान के 'सिकंदर' का टीजर बीते साल दिसंबर में जारी कर चुके हैं, जिसमें अभिनेता धमाकेदार एक्शन से भरे अंदाज में नजर आए। 'सिकंदर' में सलमान खान और साजिद नाडियाडवाला 2014 की ब्लॉकबस्टर 'किक' के बाद एक बार फिर से साथ काम कर रहे हैं। निर्माताओं ने हाल ही में जानकारी दी थी कि 'सिकंदर' के साथ 'हाउसफुल 5' का ट्रेलर भी जारी होगा। 'सिकंदर' और 'हाउसफुल 5' दोनों ही फिल्मों का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया है।

> रश्मिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर दोने से भरी एक ट्रे की तस्वीर शेयर की, जिसमें दो मिनट के इंस्टेंट नूडल्स भरे हुए थे। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, हमारे ४ बजे का स्नैक। यह हमारी नाइट शूट को और भी बेहतर बनाता है। रश्मिका ने हाल ही में एक पोस्ट शेयर कर बताया था कि वह 'सिकंदर' की शूटिंग कर रही हैं।

'छावा' में विक्की कौशल के अभिनय को कुमार विश्वास ने बताया 'अद्भुत'

मराठा गौरव को पर्दे पर बखूबी उतारती फिल्म 'छावा' सफलता के आसमान को छू रही है। 250 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी फिल्म को खूब तारीफ मिल रही है। फिल्म में विक्की कौशल के अभिनय की कवि कुमार विश्वास ने भी सराहा है।संभाजी महाराज की वीरता को पर्दे पर उतारती फिल्म 'छावा' में विक्की कौशल की अदाकारी को कुमार विश्वास ने "अद्भुत" बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर विक्की कौशल के साथ तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, "भारत की अप्रतिम शौर्य परंपरा को अपने अद्भुत अभिनय कौशल से हमारे प्राणधन शौर्य–स्वरूप छावा छत्रपति संभाजी महाराज के रूप में जीवंत करने के लिए बहुत–बहुत बधाई विक्की कौशल अशेष शुभकामनाएं।" फिल्म में शानदार अभिनय के लिए कुमार विश्वास से मिली तारीफ पर विक्की कौशल बेहद उत्साहित नजर आए। विश्वास की तस्वीरों को री–पोस्ट कर उन्होंने आभार जताते हुए लिखा, "धन्यवाद कुमार विश्वास जी।" मराठा साम्राज्य और उसके गौरव वीर संभाजी महाराज पर बनी फिल्म 'छावा' की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी सराहना कर चुके हैं। विक्की कौशल ने पीएम मोदी का आभार जताते हुए इसे शब्दों से परे सम्मान बताया था। फिल्म दो राज्यों मध्य प्रदेश और गोवा में टैक्स फ्री भी हो चुकी है। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी 'छावा' में विक्की कौशल छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका में हैं। इस प्रोजेक्ट में रश्मिका मंदाना ने महारानी येसुबाई, अक्षय खन्ना ने औरंगजेब, डायना पेंटी ने जीनत–उन–निसा बेगम, आशुतोष राणा ने हम्बीराव मोहिते और दिव्या दत्ता ने सोयराबाई की भूमिका निभाई है। 14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म छावा दर्शकों के दिलों में जगह बनाने में कामयाब रही है। बॉक्स ऑफिस पर भी जबरदस्त धमाल मचाए हुए है। 250 करोड़ के क्लब में फिल्म शामिल हो गई है।

फिर से रिलीज होगी राजकुमार राव स्टारर 'शाहिद', हंसल मेहता बोले- 'ये फिल्म एक मरहम'

वकील और मानवाधिकार कार्यकर्ता शाहिद आजमी के जीवन पर बनी राजकुमार राव स्टारर शाहिद फिर से रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशक हंसल मेहता ने रविवार को एक पोस्ट के जरिए अपनी खुशी जाहिर की और प्रशंसकों को जानकारी दी। सच्ची घटना पर आधारित फिल्म 'शाहिद' में राजकुमार राव मुख्य भूमिका में हैं, जिसके किरदार का नाम शाहिद आजमी है। फिल्म एक बार फिर से रिलीज के लिए तैयार है, जिसे लेकर फिल्म के कलाकारों के साथ ही निर्माता–निर्देशक हंसल मेहता भी काफी खुश और उत्साहित नजर आए। इंस्टाग्राम पर 'शाहिद' के एक पोस्टर के साथ हंसल मेहता ने लिखा, "26 फरवरी को वर्सोवा होमेज स्क्रीनिंग पर स्क्रीनिंग की घोषणा से उत्साहित हूं।" हंसल मेहता ने बताया कि फिल्म की दमदार कहानी वक्त के साथ और भी मजबूत हो गई है। उन्होंने कहा, " 'शाहिद' की कहानी पहले से कहीं ज्यादा जरूरी है। यह हमारे बुरे समय का दर्द कम करने वाला मरहम है।" अभिनेता राजकुमार राव ने भी इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, वह फिल्म जो मुझे परिभाषित करती है वो कई मायनों में मेरी पहली फिल्म है। 26 फरवरी को शाम 5 बजे से पीवीआर डायनामिक्स जुहू में स्क्रीनिंग के लिए तैयार। शाहिद के बारे में बता दें, यह साल 2012 में रिलीज हुई बायोग्राफिकल फिल्म है। कहानी को समीर गौतम सिंह ने लिखा है। इसका निर्माण अनुराग कश्यप और सुनील बोहरा ने रॉनी स्क्रूवाला और सिद्धार्थ रॉय कपूर के साथ मिलकर यूटीवी स्पॉटबॉय बैनर के तहत किया है। वकील और मानवाधिकार कार्यकर्ता शाहिद आजमी के जीवन पर बनी फिल्म में राजकुमार राव ने आजमी की भूमिका निभाई है। फिल्म में राव के साथ मोहम्मद जीशान अय्यूब, प्रभलीन संधू और बलजिंदर कौर भी अहम भूमिकाओं में हैं। शाहिद का साल 2012 में टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के सिटी टू सिटी कार्यक्रम में वर्ल्ड प्रीमियर हुआ था। शाहिद कई अन्य फिल्म समारोहों में भी दिखाई जा चुकी है। इनमें 14वां मुंबई फिल्म महोत्सव, न्यूयॉर्क भारतीय फिल्म महोत्सव, स्टटगार्ट का भारतीय फिल्म महोत्सव, दुबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव और शिकागो दक्षिण एशियाई फिल्म महोत्सव के नाम शामिल हैं। शाहिद को मुंबई फिल्म महोत्सव में सिल्वर गेटवे ट्रॉफी से सम्मानित किया गया, जबकि मेहता ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीता। राव को 61वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार और मेहता को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार मिला था।

दर्शकों के दिलों में 'छावा' की दस्तक

विक्की कौशल जब से फिल्म इंडस्ट्री में आए, उनमें एक बहुमुखी और संभावनाशील कलाकार की झलक देखी गई। बीते कुछ सालों में उन्होंने जितनी भी फिल्में की, वे अलग–अलग जॉनर की रही। वे टाइप्ड नहीं हुए। उन्होंने युद्ध आधारित फिल्म 'उरी' में जो किया वह 'सैम बहादुर' में कहीं दिखाई नहीं दिया। अब उसकी कोई झलक उनकी नई फिल्म 'छावा' में दिखाई नहीं देती। छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे छत्रपति संभाजी महाराज की जीवनी वाली ये फिल्म हर दर्शक के दिल को छू रही है। फिल्म में विक्की कौशल ने संभाजी महाराज की भूमिका निभाई है। उन्होंने अपने अभिनय से किरदार में जान डाल दी। यही वजह है कि इसे उनके कैरियर की शानदार फिल्मों में बताया जा रहा। विक्की की इस फिल्म को लेकर दर्शकों का क्रेज कम नहीं हो रहा। महाराष्ट्र में तो यह फिल्म शानदार कमाई कर ही रही है। फिल्म देखने के बाद लोगों के रिएक्शन सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं। कुछ लोग फिल्म देखने के बाद रो रहे हैं तो कुछ लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। फिल्म की कहानी दिखाती है कि मुगलों के वर्चस्व को खत्म करने के लिए उनके प्रयास कितने कठिन थे। यह इतिहास का ऐसा अध्याय है, जिसे अनदेखा किया जाता रहा। विक्की कौशल ने इस विरासत के साथ पूरा न्याय किया। क्योंकि, जब उनका किरदार विश्वासघात और हार का सामना करता है, वे पल दिल की धड़कन तेज करने वाले हैं। फिल्म में लड़ाई को इतना वास्तविक रूप दिया गया कि दर्शकों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं। कौशल ने सिर्फ एक किरदार ही नहीं निभाया, वे राष्ट्र की ताकत और संकल्प का प्रतीक बन गए। संभाजी महाराज के किरदार में उनका अभिनय दमदार और बहुआयामी दिखाई दिया। एक ऐसा सेनापति जिसकी मौजूदगी पूरी फिल्म में महसूस की जा सकती है। विक्की कौशल ने उस युवा का किरदार निभाया, जिसने अकेले ने मुगल साम्राज्य घुटनों पर ला दिया था। भारतीय इतिहास के गुमनाम नायक के रूप में देखे जाने वाले संभाजी का चित्रण बेहतरीन तरीके से किया गया है। न सिर्फ अभिनय बल्कि बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के मामले में भी 'छावा' ने इस साल रिलीज हुई फिल्मों को पीछे छोड़ दिया। इस साल के शुरुआती डेढ़ महीने में अक्षय कुमार की 'स्काई फोर्स' ने ही ठीक–ठाक कमाई कमाई की थी, पर 'छावा' ने उसे काफी पीछे छोड़ दिया। इस साल विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना और अक्षय खन्ना की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचने की लगता है पूरी तैयारी कर ली। 'छावा' को सिर्फ अपने देश में ही नहीं, दुनियाभर में पसंद किया जा रहा। फिल्म ने रिलीज के शुरुआती 2 दिन में ही 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। ये फिल्म अब तो 200 करोड़ के क्लब में एंट्री कर गई। 'छावा' में छत्रपति शिवाजी के बेटे संभाजी महाराज की कहानी दिखाई गई है कि उन्होंने कैसे औरंगजेब से जंग लड़ी थी। बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों की कमाई पर नजर रखने वाली एक एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक 'छावा' ने भारत में चार दिन में ही 168.60 ग्रॉस कलेक्शन किया। 'छावा' फिल्म में संभाजी महाराज के शौर्य और बलिदान की कहानी है। इस फिल्म को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा, इससे पहले भी भारतीय लीजेंड्स पर कई फिल्में बनी, जिन्हें देख दर्शकों के रोंगटे खड़े हुए। 'छावा' ने दर्शकों को मराठा इतिहास के बारे में बताया तो 'तानाजी रू द अनसंग वॉरियर' एकदम सही फॉलोअप है। फिल्म में अजय देवगन ने बहादुर सेनापति तानाजी मालुसरे का किरदार निभाया, जिन्होंने मुगलों से कोंढाणा किले को वापस हासिल करने में अहम भूमिका निभाई थी। संजय लीला भंसाली की 'बाजीराव मस्तानी' भी पेशवा बाजीराव (रणवीर सिंह) और मस्तानी (दीपिका पादुकोण) के रोमांस आधारित फिल्म है। 18वीं सदी के भारत की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म के भव्य युद्ध दृश्य, विशाल सेट उस समय काल का जीवंत अनुभव कराते है। बाजीराव की पहली पत्नी काशीबाई का प्रियंका चोपड़ा का किरदार प्यार, वफादारी और बलिदान का प्रतीक है। अजय देवगन की फिल्म 'द लीजेंड ऑफ भगत सिंह' भारत के सबसे ज्यादा सम्मानित स्वतंत्रता सेनानियों में से एक फिल्म है। यह फिल्म भगत सिंह के क्रांतिकारी आदर्शों, ब्रिटिश उत्पीड़न के खिलाफ उनकी लड़ाई और भारत की स्वतंत्रता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता दर्शाती है। शाहरुख खान ने फिल्म 'अशोका' में सम्राट अशोक की भूमिका निभाई। यह फिल्म अशोक के एक भयंकर योद्धा से एक दयालु शासक बनने के सफर पर आधारित है।

अपनी शादीशुदा जिंदगी पर खुलकर बोलीं तापसी पन्नू, बताया कैसे हुई थी पहली मुलाकात

शुक्रवार को एबीपी नेटवर्क के 'आइडियाज ऑफ इंडिया 2025श के दौरान 37 वर्षीय अभिनेत्री ने फिल्म उद्योग की कठोर वास्तविकताओं पर अपने विचार साझा किए। पन्नू ने कहा, "आदर्शवादी बात यह है कि कड़ी मेहनत से आप वह सब कुछ हासिल कर लेंगे, लेकिन यहां (फिल्म उद्योग में) ऐसा नहीं है। ऐसा नहीं है कि फिल्म उद्योग में हर चीज निष्पक्ष है। अगर आप उम्मीद करते हैं कि सब कुछ उचित और निष्पक्ष होगा तो ऐसा नहीं होगा।"उन्होंने कहा, "यह अनुचित होगा। आपको बहुत सी बातें सुनने को मिलेंगी, इसलिए अपने अहंकार को किनारे रखें, अन्यथा आप निराश होंगे, साथ ही बुरी बातें सुनने के अभ्यस्त हो जाइए। यह बॉलीवुड के बारे में नहीं है। मैं उद्योग (फिल्म) का शिकार नहीं हूं।उन्होंने आकांक्षा रखने वाले प्रतिभाशाली लोगों को सलाह दी कि यदि उनके प्रयास सफल नहीं होते हैं तो उनके पास वैकल्पिक योजना होनी चाहिए। पन्नू ने कहा, "मेरे पास विकल्प 'बी' था। मैंने इंजीनियरिंग की थी, नौकरी की थी और मैं वह कर सकती थी। मैं एमबीए करना चाहती थी, इसलिए मैंने सभी विकल्प तैयार रखे थे। अभिनेत्री ने अपनी शादीशुदा जिंदगी के बारे में भी खुलकर बात की। वर्ष 2023 में अपने लंबे समय के साथी बैडमिंटन स्टार मैथियास बो के साथ शादी के बंधन में बंधने वाली पन्नू ने कहा कि उन्हें अपनी शादी के बारे में 'प्रेस विज्ञप्ति' जारी करने की आवश्यकता महसूस नहीं हुई। उन्होंने कहा, "मैं उनसे बैडमिंटन कोर्ट पर मिली थी, मैं दर्शकों में थी और वह खेल रहे थे, और यह एक घरेलू लीग थी जहां मेरी उनसे मुलाकात हुई। मैंने जिस व्यक्ति से शादी की है उसे मैं दस साल से जानती थी और अब मैं उसे 11 साल से जानती हूं।"

भगवान शिव को लगाएं नारियल की बर्फी का भोग, नोट करे आसान रेसिपी

महाशिवरात्रि पर्व के लिए अब ज्यादा दिन बचें नहीं है। अगर आप भी इस बार महाशिवरात्रि पर व्रत रखने जा रहे हैं, तो आप भगवान शिव के भोग के लिए घर पर ही बड़े आसानी से नारियल की बर्फी बना सकते हैं। यह इतनी टेस्टी और झटपट बनेंगी। तो चलिए आपको बताते हैं नारियल बर्फी को कैसे तैयार करें।

इस साल 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि का त्यौहार बड़े उत्साह के साथ मनाने वाले हैं। सनातन धर्म में महाशिवरात्रि का पर्व विशेष महत्व रखता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भोलेबाबा और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस दिन भक्त भगवान भोलेनाथ की पूजा करते हैं और व्रत रखते हैं। अगर आप भी महाशिवरात्रि पर व्रत रखने से जा रहे हैं, तो आप घर पर ही नारियल बर्फी को बना सकते हैं। बिना देर किए आपको बताते हैं नारियल की बर्फी का भोग कैसे बनाएं।

नारियल की बर्फी बनाने के लिए सामग्री

– 1 कटोरी सूखा कद्दूकस किया हुआ नारियल
– 1 कप खोया
– 1/2 कप घी
– 1 कप चीनी
– एक चुटकी इलायची पाउडर
– चाश्नी तैयार के लिए पानी

नारियल की बर्फी कैसे बनाएं

नारियल की बर्फी बनाने के लिए आप पहले चीनी को उबलते हुए पानी में डालकर उसकी चाशनी तैयार कर लें। अब इस चाशनी में कद्दूकस किया हुआ सूखा नारियल डालकर अच्छी तरह मिला दें। फिर गैस को मीडियम आंच पर रखते हुए इसमें घी और खोया डालकर अच्छे से मिला लें। मिश्रण में कोई गांठ न पढ़े इसलिए इसे लगातार चलाते रहें। अब इस मिश्रण में इलायची पाउडर डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब इस तैयार मिश्रण को पहले से ही घी लगी एक प्लेट में निकालकर थोड़ी देर के लिए छोड़ दें। फिर ऊपर थोड़ा घी और लगा लें। फिर इस मिश्रण को अच्छी तरह फैलाकर बर्फी का आकार देकर काट लें। कुछ समय बाद बर्फी जम जाएगी। बाद में आप तैयार नारियल की बर्फी को निकालकर भोलेबाबा को भोग लगाएं।

महाशिवरात्रि पर महादेव के इस मंदिर का करें दर्शन

महाशिवरात्रि का पर्व 26 फरवरी 2025 को है। अब महाशिवरात्रि के आने में ज्यादा दिन बचें नहीं है। अगर आप भी इस खास पर्व के मौके पर किसी प्रसिद्ध और चमत्कारी शिव मंदिर में दर्शन करना चाहते हैं, तो आप यूपी में मौजूद बटेश्वर धाम मंदिर जा सकते हैं। चलिए इसके बारे में आपको बताते हैं।

शिवभक्तों को महाशिवरात्रि पर्व का लंबे समय से इंतजार रहता है। इस बार महाशिवरात्रि का पर्व 26 फरवरी 2025 को है। इस दिन भक्त भगवान शिव की पूजा करते हैं और उपवास रखते हैं। अगर आप महाशिवरात्रि के पर्व के दौरान किसी चमत्कारी शिव मंदिर का दर्शन करना चाहते है, जिसकी अपनी कई प्राचीन मान्यताएं और रोचक कहानियां भी है। इस आर्टिकल में हम आपको भगवान शिव के एक ऐसे ही प्राचीन मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां आप जरुर जाएं। बटेश्वर धाम मंदिर, एक ऐसा मंदिर हैं, जो कई सौ साल पुराना है। यह मंदिर उत्तर प्रदेश के आगरा शहर से करीब 70 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। बटेश्वर महादेव मंदिर यमुना नदी के तट पर स्थित है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, महाभारत काल में पांडवों के द्वारा इस मंदिर में कांवड चढ़ाई गई थी। इसलिए महाभारत काल से अब तक यह परंपरा चल रही है। बटेश्वर धाम एक चमत्कारी शिव मंदिर है। बता दें कि, भगवान शंकर का शिवलिंग यहां स्वयं प्रकट हुआ था। इस शिव मंदिर की काफी मान्यता है। भक्तों का मानना है कि भगवान शिव के मात्र दर्शन से आपकी सभी मनोकामना पूरी होने के साथ सभी परेशानियां दूर करते हैं।

इस मंदिर में सेठ–सेठानी की मुद्रा में शिव–पार्वती

इतना ही नहीं, यह 101 मंदिरों की शिव श्रृंखला वाला अनोखा शिव मंदिर है। इस मंदिर में शिवलिंग के अलावा शिव–पार्वती सेठ–सेठानी की मुद्रा में बैठे मिल जाएंगे। इस तरह की मूर्ति पूरी दुनिया में नहीं है। इस मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। इसके अलावा, इस मंदिर का निर्माण राजा बदन सिंह भदौरिया द्वारा कराया गया था।

बटेश्वर मंदिर से जुड़े दिलचस्प किस्से

– मान्यता के अनुसार, इस मंदिर की उत्पति आज से हजारों साल पहले पुराने बरगद के वृक्ष के बीच से हुई थी।

– जानकारी के मुताबिक, फेमस डाकू पान सिंह तोमर को जब भी डकैती में सफलता मिलती थी तो वो इसी मंदिर में घंटा चढ़ाते थे। ऐसे में इस मंदिर में आपको खूब सारे घंटे जंजीरों से बंधे दिख जाएंगे। भक्त लोग अपने मान्यता पूरी होने के बाद यहां घंटा जरुर चढ़ाते हैं।

– इतना ही नहीं, इस मंदिर में यमुना नहीं उलटी बहती है। यानि बटेश्वर धाम में यमुना पूरब से पश्चिम दिशा की ओर बहकर मंदिर का चक्कर लगाती है।

– इस मंदिर में सबसे ज्यादा शिवलिंग है।

– इस मंदिर को लेकर एक रोचक कहानी यह है कि यहां स्थित शिवलिंग को चाहे जितने भी चावलों से ढका जाए, फिर भी वे पूरी तरह नहीं ढकता।

महाशिवरात्रि और सावन के महीने में यहां विशेष पूजा–अर्चना होती है। हर साल यहां पर अक्टूबर और नवंबर महीने में पशु मेला लगता है। बटेश्वर का मेला पूरे भारत में प्रसिद्ध है। इसके अलावा, आप मंदिर के पास स्थित नदी में आप नाव की सवारी का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

इस महाशिवरात्रि पर बनाएं कच्चे केले के व्रत वाले कटलेट, खाने के बाद एनर्जिट बने रहेंगे

महाशिवरात्रि के दिन लोग भोलेनाथ की पूजा करते हैं और व्रत रखते हैं। महाशिवरात्रि के दिन कुछ लोग सात्विक खाना खाते हैं, तो वहीं कुछ लोग फलाहारी चीजों को खाते हैं। इस लेख में कच्चे केले कटलेट बना सकते है।

सनातन धर्म में महाशिवरात्रि का पर्व का विशेष महत्व माना जाता है। महाशिवरात्रि का पर्व भगवान शिव को समर्पित होता है। फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की त्रियोदशी तिथि को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन शिव शक्ति का मिलन हुआ था। इस दिन भगवान शिव वैराग्य को त्यागकर माता पार्वती के संग शादी के बंधन में बंधे थे। इस दिन शिव भक्त उपवास रखते हैं और शिव मंदिर जाकर पूजा करते हैं। अगर आप व्रत में फलाहारी चीजों को खाते हैं तो इस बार अपने लिए कच्चे केले से कटलेट बनाएं। इसको आप चटनी या दही के साथ खा सकते हैं। आइए आपको बताते हैं इसकी रेसिपी।

कच्चे केले से कटलेट बनाने के लिए आपको चाहिए–

– 3 कच्चे केले
– 2 मीडियम साइड के उबले आलू
– 1/4 कप साबूदाना आटा
– 2 हरी मिर्ट कटी हुई
– 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर
– 1 चम्मच भुना जीरा पाउडर
– सूखे पुदीने के पत्ते
– स्वादानुसार सेंधा नमक
– तलने के लिए तेल या घी

कैसे बनाएं कच्चे केले से कटलेट

कच्चे केले के कटलेट बनाने के लिए केले और और आलू का उबाल लें। अब कुकर आलू और केले दोनों को छील लें। फिर एक बड़े कटोरे में निकालें। आलू और केले को एक साथ मैश करें और फिर इसमें सभी मसाले डालें और अच्छी तरह से मिक्स कर दें। आखिर में साबूदाने का आटा डालें। अच्छे से मिक्स करने के बाद टिक्की को आकार दें। इसके लिए हाथों को चिकना कर लें और फिर छोटे–छोटे कटलेट बना लें। फिर एक नॉन स्टिक पैन पर तेल या घी डालें और फिर कटलेट को सेक लें। दोनों तरफ से भूरा रंग होने तक कटलेट के सेकें।

महाशिवरात्रि व्रत करने से विवाह में आ रही बाधा से मिलता छुटकारा

महाशिवरात्रि के दिन स्नान ध्यान करके व्रत रखना चाहिए शिवालय में जाकर शिवलिंग पर जल चढाना चाहिए, रात में दूध दहि घी शक्कर और शहद से अभिषेक करके भंग धतूरा और विल्वपत्र चढ़ाकर रात्रि जागरण करते हुए शिव भजन या शिव चर्चा करनी चाहिए।

देश भर में महाशिवरात्रि को एक महोत्सव के रुप में मनाया जाता है क्योंकि इस दिन देवों के देव महादेव का विवाह हुआ था। हमारे धर्म शास्त्रों में ऐसा कहा गया है कि महाशिवरात्रि का व्रत करने वाले साधक को मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह जगत में रहते हुए मनुष्य का कल्याण करने वाला व्रत है। पौराणिक कथा के अनुसार, फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर भगवान शिव और मां पार्वती का विवाह हुआ था। इसलिए हर वर्ष फाल्गुन माह की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। इस खास अवसर पर देशभर में शिव मंदिरों में महादेव की पूजा विशेष पूजा–अर्चना होती है। साथ ही महाभिषेक किया जाता है। इसके अलावा शिव भक्त महादेव की बारात निकालते हैं। धार्मिक मान्यता है कि महाशिवरात्रि पर शिव जी की उपासना और व्रत करने से विवाह में आ रही बाधा से भी छुटकारा मिलता है और जल्द विवाह के योग बनते हैं। इस साल 26 फरवरी बुधवार को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा। हमारे प्राचीन धर्म ग्रन्थों के अनुसार महाशिवरात्रि मनाने के तीन मुख्य कारण बताए गए हैं।

पहला– यह शिव और पार्वती के मिलन की रात्रि है। जो सत्य का संदेश देता है।

दूसरा– इसी दिन शिवजी ने अपने को शिवलिंग के रूप में प्रकट किया था। जो शिव अर्थात कल्याण का संदेश देता है। और तीसराकृ समुद्र मंथन से निकले हुए कालकूट नामक विष का पान करके इस सुंदर सृष्टि की रक्षा की थी और स्वयम भी नीलकंठ कहलाए थे। जो सुंदरम का संदेश देता है।

हमारे शिव जी सत्यम शिवम सुंदरम के प्रतीक हैं।

शंकर जी सत रज और तम इन तीनों गुणों के स्वामी भी है।

संस्कृत साहित्य के मूर्धन्य उपन्यासकार श्री बाणभट्ट ने अपनी प्रसिद्ध रचना कादम्बरी में मंगलाचरण के अंतर्गत शिवजी की स्तुति करते हुए कहते हैं–––

रजोजुषे जन्मनि सत्ववृत्तये स्थितौ प्रजानां प्रलये तमःस्पृशे।
अजाय सर्गस्थितिनाशहेतवे त्रयीमयाय त्रिगुणात्मने नमः ६

भोले बाबा इस संसार को संतुलित रखते हैं। इनकी कृपा से मौत भी टल जाती है। इसलिए हमारे सनातन धर्म में शिवजी को सबसे बड़ा आराध्य माना गया है। शिव में से ई हटा देने पर केवल शव बचता है जिसका अर्थ होता है मुर्दा, इस ई शक्ति से ही शिवजी शव में शक्ति का संचार करते हैं और शव भी शिव हो जाता है। इसीलिए किसी गंभीर बीमारी में महामृत्युंजय का जप किया जाता है।

त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् ।
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्

इस मंत्र का अर्थ है कि हम भगवान शिवजी की पूजा करते हैं, जिनके तीन नेत्र हैं, जो सुगंधित हैं और हमारा पालन–पोषण करते हैं। जैसे फल शाखा के बंधन से मुक्त हो जाता है वैसे ही हम भी मृत्यु और नश्वरता से मुक्त हो जाएं।

इस दिन स्नान ध्यान करके व्रत रखना चाहिए शिवालय में जाकर शिवलिंग पर जल चढाना चाहिए, रात में दूध दहि घी शक्कर और शहद से अभिषेक करके भंग धतूरा और विल्वपत्र चढ़ाकर रात्रि जागरण करते हुए शिव भजन या शिव चर्चा करनी चाहिए।

तो आइए, इस परम पवित्र शिवरात्रि महोत्सव के अवसर पर शिवजी को प्रसन्न करने के लिए शिवपंचाक्षर स्तोत्र का गायन करें।

नागेन्द्रहाराय त्रिलोचनाय
भास्माङगारागाया महेश्वराय
नित्याय शुद्धाय दिगम्बराय
तस्मै "न" कराय नमः शिवाय
मंदाकिनी सलिलचन्दन चर्चिताय
नन्दीश्वर प्रमथनाथ महेश्वराय
मंदारपुष्प बहुपुष्प सुपूजिताय
तस्मै "म" काराय नमः शिवाय
शिवाय गौरिवदनाब्जवृन्द
सूर्याय दक्षाध्वरनाशकाय
श्रीनीलकण्ठाय वृषध्वजाय
तस्मै "शि" काराय नमः शिवाय
वसिष्ठकुम्भोद्भवगौतमार्य
मुनीन्द्रदेवार्चितशेखराय
चन्द्रार्क वैश्वानरलोचनाय
तस्मै "व" काराय नमः शिवाय
यक्षस्वरूपाय जटाधराय
पिनाकहस्ताय सनातनाय
दिव्याय देवाय दिगम्बराय
तस्मै "य" काराय नमः शिवाय
पञ्चाक्षरमिदं पुण्यं यः पठेच्छिवसन्निधौ ।
शिवलोकमवाप्नोति शिवेन सह मोदते

संक्षिप्त

बढ़ते तापमान से 2030 तक 30% कृषि कर्ज डूबने का खतरा, जलवायु परिवर्तन से प्रति व्यक्ति आय में गिरावट

बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के कारण अगले पांच वर्षों में यानी 2030 तक कृषि एवं आवासीय कर्ज के 30 फीसदी हिस्से के डूबने का जोखिम है। बीसीजी की एक विश्लेषण रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि औसत वैश्विक तापमान पूर्व–औद्योगिक स्तर की तुलना में करीब 1. 2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इस कारण तटीय क्षेत्रों में बाढ़ आ रही है और कृषि उत्पादन घट रहा है।घ्इसके परिणामस्वरूप, बढ़ती चरम मौसम की घटनाओं से प्रभावित लोगों की प्रति व्यक्ति आय में गिरावट आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का लगभग आधा कर्ज, प्रकृति और उसके पारिस्थितिकी तंत्र पर काफी हद तक निर्भर है। इसलिए, कोई भी प्राकृतिक आपदा उनके मुनाफे को प्रभावित करती है। अनुमान के मुताबिक, 2030 तक भारत के 42 फीसदी जिलों में तापमान दो डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। अगले पांच साल में तापमान वृद्धि से 321 जिले प्रभावित हो सकते हैं, जिससे लोगों की कमाई पर असर पड़ सकता है। बीसीजी के प्रबंध निदेशक एवं भागीदार एशिया प्रशांत अभिनव बंसल ने कहा, भारत कोयले और कच्चे तेल से दूर होकर नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत को यह बदलाव लाने/परिवर्तन करने के लिए सालाना 150–200 अरब डॉलर का निवेश करना होगा। इसके विपरीत, भारत में जलवायु वित्त 40–60 अरब डॉलर के बीच है, जिससे 100–150 अरब डॉलर का अंतर पैदा हो रहा है। बंसल ने कहा, यह परिवर्तन अवसरों का परिदृश्य तैयार करेगा। हालांकि, हम लक्ष्य से बहुत दूर हैं और इसे 2030–40 तक घटित होते हुए देख सकते हैं, जिसकी शुरुआत होने वाली है। अग्रणी इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएंगे। बैंकिंग संदर्भ के नजरिये से हम बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं।

जोखिम से बचने के लिए बढ़ानी होगी जागरूकता

जलवायु परिवर्तन के भौतिक जोखिम व्यवसायों के लिए महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। इससे उनके राजस्व पर भी असर पड़ रहा है। बीसीजी के प्रबंध निदेशक एवं वरिष्ठ साझेदारी वैश्विक लीडर (जोखिम एवं अनुपालन प्रैक्टिस) मैटेओ कोपोला ने कहा, इस प्रभाव से निपटने के लिए बैंकों को इस मुद्दे के बारे में जागरूकता बढ़ाने और अपने ग्राहकों को हरित प्रौद्योगिकी अपनाने की सलाह देने के लिए व्यवस्थित रूप से काम करने की जरूरत है।

बैंकों के लिए 150 अरब डॉलर का अवसर

रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ते जलवायु जोखिम पहले से ही वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं।घ्ऐसे में सामूहिक कार्रवाई की व्यावसायिक आवश्यकता स्पष्ट है। इसमें आगे कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन बैंकों को देश की ऊर्जा परिवर्तन जरूरतों को पूरा करने के लिए सालाना 150 अरब डॉलर का अवसर भी प्रदान करता है, क्योंकि 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को पाने के लिए सार्वजनिक फंडिंग काफी कम है।

रुपया शुरुआती कारोबार में एक पैसे की बढ़त के साथ 86.67 प्रति डॉलर पर

अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर रुख के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में एक पैसे की बढ़त के साथ 86.67 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि सुबह के कारोबार में घरेलू शेयर बाजारों में भारी गिरावट, देश के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी ने इसकी बढ़त को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 10 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.58 पर खुला। जल्द ही लेकिन शुरुआती बढ़त गंवाकर 86.67 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो शुक्रवार के बंद भाव से केवल एक पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.68 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 106.19 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 74.43 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर सपाट रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3,449.15 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

रेलवे में एसी थ्री टियर की बंपर डिमांड! पांच साल में राजस्व में जबरदस्त उछाल, आंकड़े कर देंगे हैरान

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे में यात्रा का पैटर्न तेजी से बदल रहा है। एक समय स्लीपर क्लास राजस्व में सबसे बड़ा योगदान देता था, लेकिन अब एसी थ्री टियर ने इसकी जगह ले ली है। पिछले पांच वर्षों में इस श्रेणी से रेलवे को होने वाली कमाई में जबरदस्त उछाल देखा गया है। 2024–25 में, रेलवे के कुल अनुमानित 80,000 करोड़ रुपये के यात्री राजस्व में अकेले एसी थ्री टियर का योगदान 30,089 करोड़ रुपये (38:) रहने का अनुमान है। दिलचस्प बात यह है कि सिर्फ 26 करोड़ यात्री (कुल 727 करोड़ में से 3.5:) एसी थ्री टियर से यात्रा कर रहे हैं, फिर भी यह सबसे अधिक कमाई करने वाली श्रेणी बन गई है। बजट 2025–26 के अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2024–25 में, भारतीय रेलवे का कुल यात्री राजस्व 80,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। जिसमें से अकेले एसी थ्री टियर से 30,089 करोड़ रुपये (38:) आ सकते हैं। दूसरी ओर, स्लीपर क्लास से महज 19.5: का राजस्व मिलने का अनुमान है। दिलचस्प बात यह है कि केवल 26 करोड़ यात्री (727 करोड़ यात्रियों में से 3.5:) इस श्रेणी में यात्रा कर रहे हैं, फिर भी यह सबसे अधिक राजस्व दे रहा है यह प्रवृत्ति भारत में यात्रा के प्रति बढ़ती प्राथमिकता और आर्थिक सुधार को दर्शाती है। अधिक यात्री अब आरामदायक और बेहतर सुविधाओं वाली यात्रा को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिसके कारण एसी थ्री टियर से आने वाले राजस्व में लगातार वृद्धि हो रही है।

बाज नहीं आया पाकिस्तान, विराट कोहली को शतक से दूर रखने के लिए शाहीन अफरीदी ने जानबूझकर फेंकी वाइड

41 ओवर के बाद भारत का स्कोर चार विकेट पर 225 रन था। भारत को जीत के लिए 17 रन चाहिए थे और कोहली को शतक के लिए 13 रन चाहिए थे। फिर शाहीन ने साजिश रची।

दुबई।भारत ने पाकिस्तान को हराकर 2017 चौंपियंस ट्रॉफी फाइनल में मिली हार का बदला ले लिया। इस जीत के साथ भारतीय टीम चौंपियंस ट्रॉफी में पहुंच गई है। विराट कोहली ने वनडे करियर का 51वां शतक लगाया। वह 111 गेंद 100 रन बनाकर नाबाद रहे। एक वक्त ऐसा लग रहा था कि पाकिस्तान विराट को शतक नहीं बनाने देने की साजिश रच रहा है। शाहीन वाइड पर वाइड फेंक रहे थे। हालांकि, कोहली ने धैर्य नहीं खोया और शतक पूरा करके ही दम लिया। हालांकि, शाहीन को फैंस की आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा।

शाहीन ने 42वें ओवर में तीन वाइड गेंदें फेंकी

41 ओवर के बाद भारत का स्कोर चार विकेट पर 225 रन था। भारत को जीत के लिए 17 रन चाहिए थे और कोहली को शतक के लिए 13 रन चाहिए थे। 42वें ओवर में शाहीन अफरीदी गेंदबाजी के लिए आए। उन्होंने इस ओवर में तीन–तीन वाइड गेंद फेंकी, ताकी भारत का रन बढ़े और जीत के लिए जरूरत रन कम हो। जब शाहीन वाइड फेंक रहे थे तो भारतीय फैंस को यह पसंद नहीं आया। उन्होंने स्टेडियम में शाहीन और पाकिस्तान टीम के लिए– लूजर्स–लूजर्स के नारे लगाए। शाहीन इस पर मुस्कुराने लगे और विराट ने भी शाहीन की ओर देखा और फिर मुस्कुराने लगे। भारत को 43वें ओवर के बाद चार रन की जरूरत थी। खुशदिल शाह के ओवर में विराट ने पहली गेंद पर एक रन लिया और फिर अक्षर पटेल ने दूसरी गेंद पर एक रन लिया। अब भारत को जीत के लिए दो रन और विराट को शतक के लिए चार रन चाहिए थे। तीसरी गेंद पर एक्स्ट्रा कवर में चौका जड़ने के साथ कोहली के चेहरे पर इत्मीनान की मुस्कान आई और इसके साथ ही टीवी पर नजरें गड़ाए बैठे करोड़ों भारतीय

क्रिकेट प्रेमी भी खुशी से झूम उठे। लगातार एक तरह से आउट होने, स्पिन के खिलाफ असहज होने और बड़ी पारी नहीं खेल पाने की कई चुनौतियों से उबरते हुए कोहली ने पुराने फॉर्म के दीदार कराए। भारत ने पाकिस्तान को छह विकेट से हरा दिया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की टीम 49.4 ओवर में 241 रन पर सिमट गई थी। जवाब में भारत ने 42.3 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। विराट कोहली ने वनडे करियर का 51वां शतक लगाया। वह 111 गेंद 100 रन बनाकर नाबाद रहे। एक वक्त ऐसा लग रहा था कि पाकिस्तान विराट को शतक नहीं बनाने देने की साजिश रच रहा है। शाहीन वाइड पर वाइड फेंक रहे थे। 43वें ओवर में भारत को जीत के लिए चार रन और कोहली को शतक के लिए पांच रन चाहिए थे। 43वें ओवर की पहली गेंद पर कोहली ने एक रन लिया। फिर अगली गेंद पर अक्षर ने एक रन लिया। तीसरी गेंद पर विराट ने चौका लगाकर शतक भी पूरा किया और भारत को जीत भी दिलाई। भारत ने चौंपियंस ट्रॉफी में अब दो मैच जीत लिए हैं और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। वहीं, पाकिस्तान की टीम लगभग चौंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गई है। उसे अब अन्य टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। भारत के दो मैचों के बाद चार अंक हैं, जबकि पाकिस्तान दो मैचों में खाता नहीं खोल सका है।

मैं अभी अच्छी लय में हूं, जितने अधिक मैच खेलूंगा उतनी अच्छी गेंदबाजी करूंगा : कुलदीप

दुबई, एजेंसी। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव को लगता है कि चोट से वापसी करने के बाद उन्होंने अपनी लय हासिल कर ली है और उन्हें उम्मीद है कि मौजूदा चौंपियंस ट्रॉफी में वह हर मैच में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। कुलदीप ने पाकिस्तान के खिलाफ डेथ ओवरों में तीन विकेट लिए और वह एक समय हैट्रिक लेने की स्थिति में भी थे। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी कराई थी, जिसके कारण वह तीन महीने से अधिक समय तक खेल से दूर रहे थे। कुलदीप ने यहां पत्रकारों से कहा, ''चोटों को ठीक होने में छह महीने लगते हैं। मैंने इंग्लैंड के खिलाफ दो मैच खेले। उनमें मेरी लय अच्छी थी। '' कुलदीप चौंपियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में विकेट हासिल नहीं कर पाए थे। उन्होंने कहा, ''लेकिन स्वाभाविक है कि आप हमेशा विकेट हासिल करने की तलाश में रहते हैं। आज जब मैंने अपना पहला ओवर डाला, तो मुझे लगा कि मैं बेहतर लय में हूं। मैं आरामदायक स्थिति में हूं।'' कुलदीप ने कहा, ''मुझे लगता है कि मैं इससे भी बेहतर गेंदबाजी कर सकता हूं। मैंने चोट से वापसी करने के बाद अभी तक तीन–चार मैच खेले हैं। मैं जितने अधिक मैच खेलूंगा उतनी ही अच्छी गेंदबाजी करूंगा।'' कुलदीप ने पाकिस्तान के निचले क्रम के बल्लेबाजों सलमान आगा, शाहीन अफरीदी और नसीम शाह के विकेट लिए। अपनी रणनीति के बारे में कुलदीप ने कहा, ''अपने पहले स्पैल में मैंने काफी चाइनामैन की। अपनी गेंदबाजी में विविधता लाने के लिए मैं गुगली भी करता हूं। इसके अलावा मैंने टॉप स्पिन भी की।'' कुलदीप ने डेथ ओवरों में गेंदबाजी करने के बारे में कहा, ''मैं अंतिम 10 ओवरों में गेंदबाजी करने के लिए पहली पसंद का गेंदबाज बनने में सक्षम हूं। यहां तक कि कप्तान का भी मानना है कि अगर आपके पास विविधता है तो स्पिनर पर शॉट मारना मुश्किल होता है। सौभाग्य से यह मेरे लिए अच्छा था। विकेट भी धीमा था।

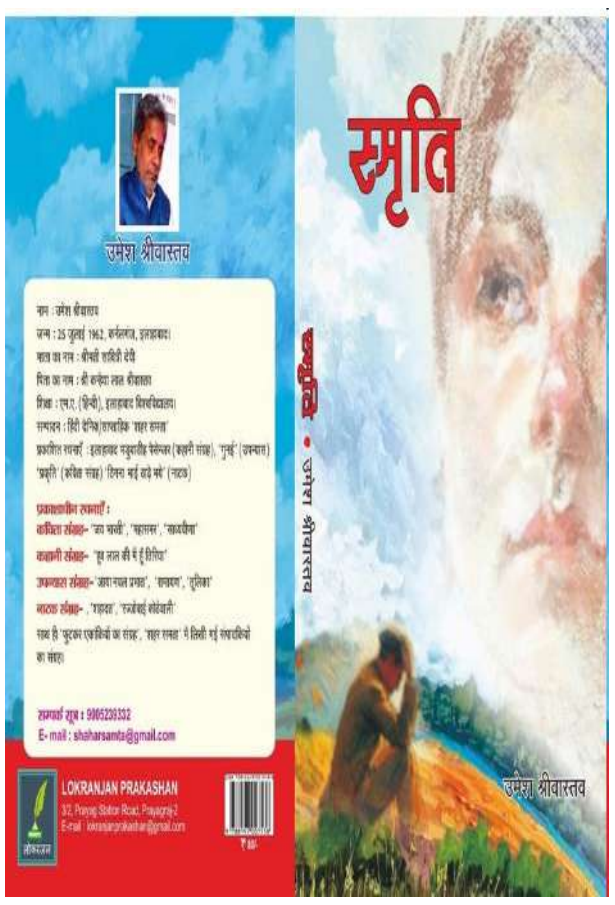

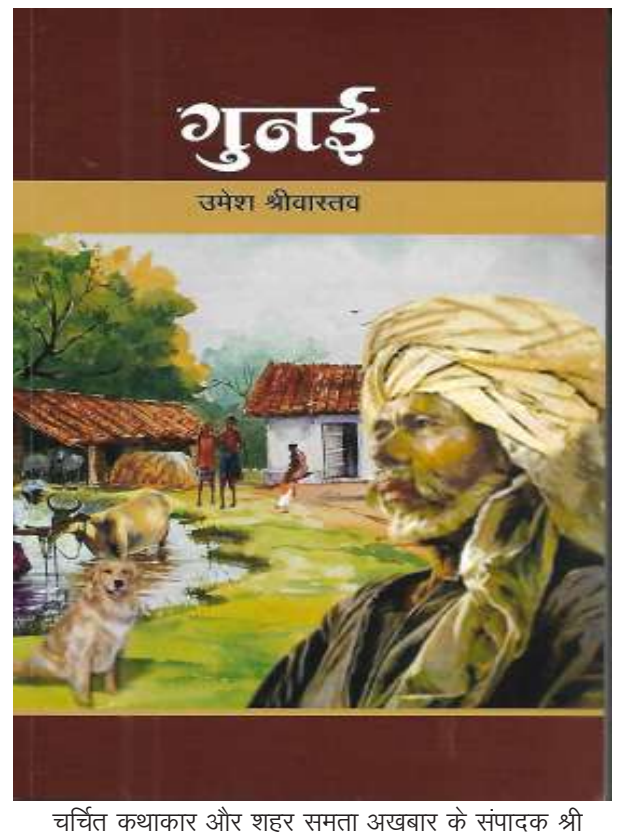

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

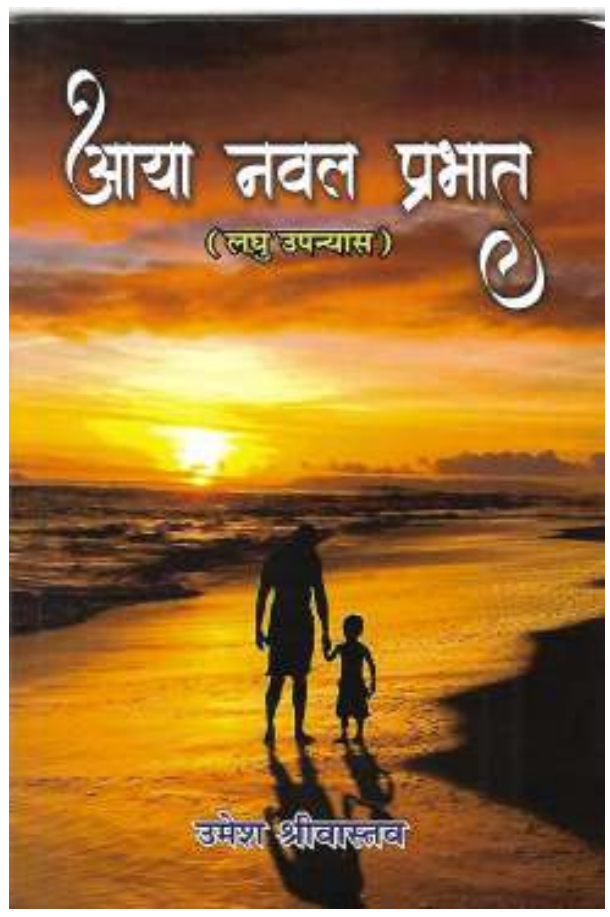

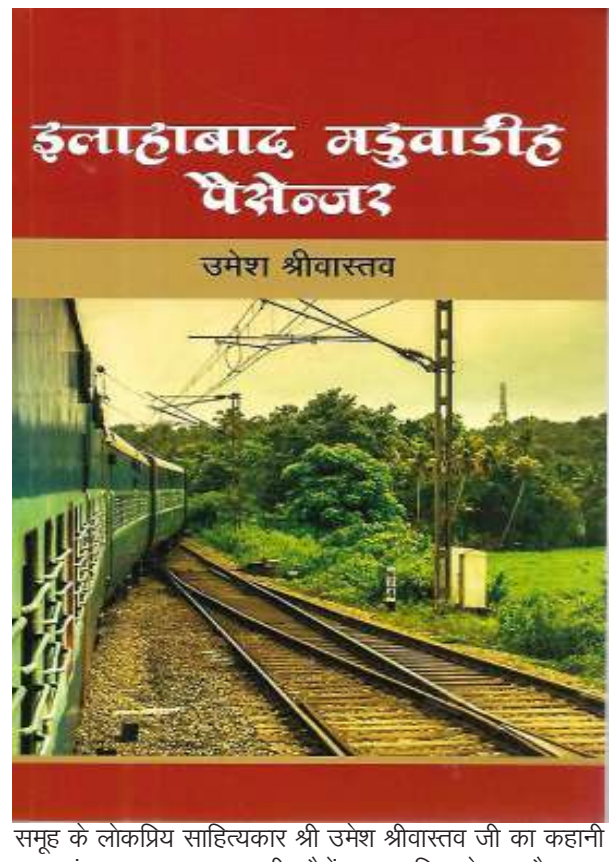

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

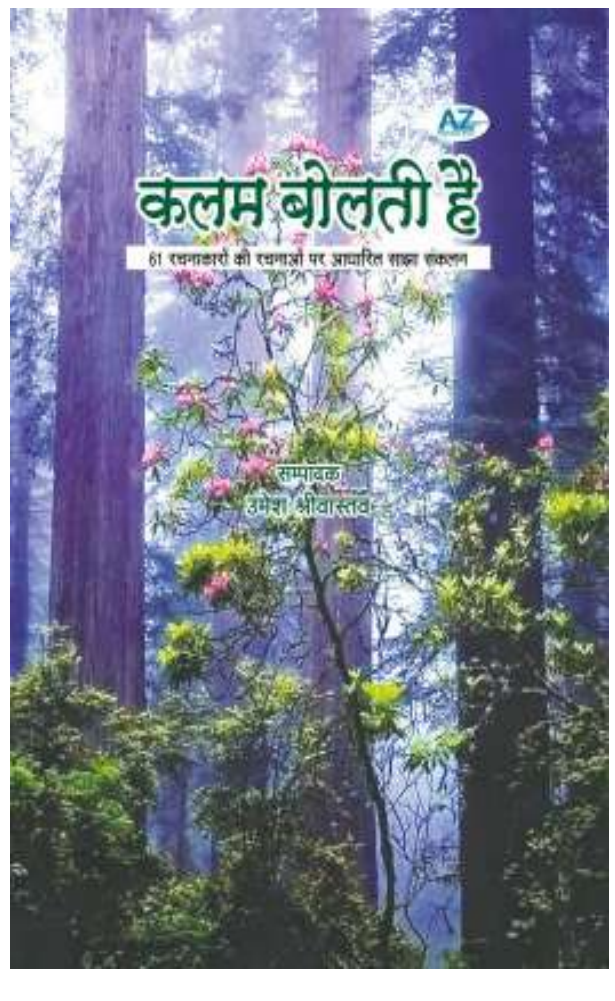

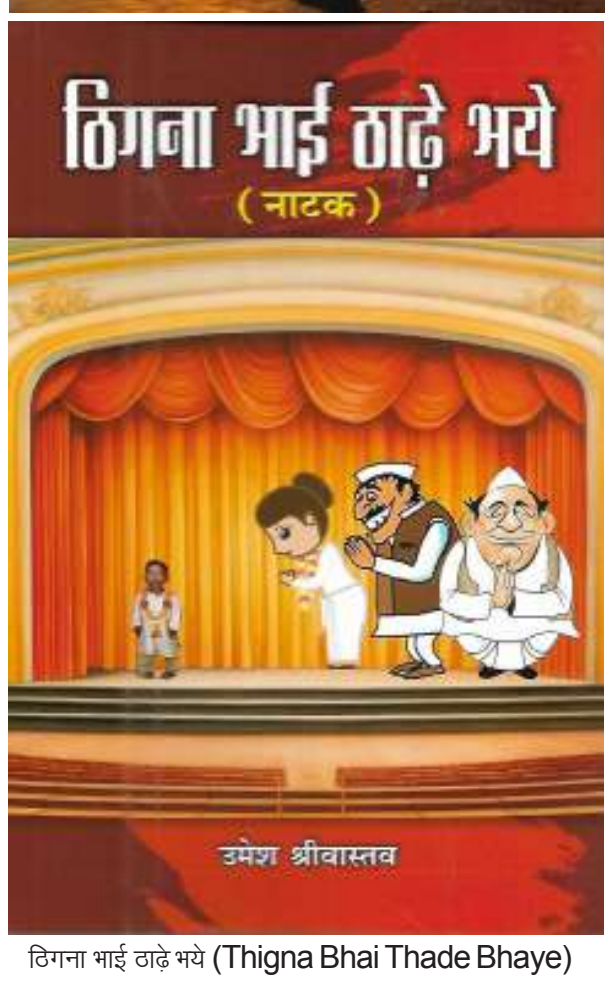

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

सूडान की सेना ने महत्वपूर्ण शहर ओबैद से अर्धसैनिक समूह का कब्जा खत्म किया

काहिरा, एजेंसी। सूडान के महत्वपूर्ण शहर ओबैद पर एक वर्ष से अधिक समय से कुख्यात अर्धसैनिक समूह 'रेपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ)' ने कब्जा कर रखा था जिसे खत्म कर सेना ने वहां अपना नियंत्रण स्थापित कर लिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सेना की इस कार्रवाई से दक्षिण–मध्य क्षेत्र में एक रणनीतिक इलाके तक उनका कब्जा बहाल हो गया है। सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल नबील अब्दुल्ला ने एक बयान में कहा कि सेना ने रविवार को व्हाइट नाइल प्रांत में आरएसएफ को उसके अंतिम गढ़ से भी खदेड़ दिया। पिछले वर्ष अप्रैल में सूडान में सेना और आरएसएफ के बीच बढ़ते तनाव के बाद पूरे देश में युद्ध शुरू हो गया था और इसके साथ ही वहां अराजकता फैल गई थी। संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय अधिकार समूहों के अनुसार, राजधानी खार्तूम और अन्य शहरी क्षेत्रों में हुए युद्ध में सामूहिक दुष्कर्म और नस्ली हत्याओं सहित कई तरह के अत्याचार हुए हैं। वाणिज्यिक रूप से महत्वपूर्ण शहर ओबैद एक परिवहन केंद्र है, जो खार्तूम को दक्षिण दारफुर प्रांत की राजधानी न्याला से जोड़ता है। अप्रैल 2023 में संघर्ष की शुरुआत के बाद से ही इस पर आरएसएफ ने कब्जा कर रखा था।

विवेक रामास्वामी ओहायो के गवर्नर पद की दौड़ में शामिल होने के लिए तैयार

कोलंबस (अमेरिका) । अमेरिका में भारतीय मूल के उद्यमी विवेक रामास्वामी के ओहायो के गवर्नर पद की दावेदारी पेश करने की उम्मीद है। सिनसिनाटी में जन्मे बायोटेक उद्यमी रामास्वामी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के पहले दिन ही सरकारी दक्षता विभाग की पहल छोड़ दी थी। रामास्वामी (39) सिनसिनाटी में अपना अभियान शुरू करने के लिए तैयार हैं। वह रिपब्लिकन पार्टी के 'प्राइमरी' के चुनाव में शामिल

होंगे। रामास्वामी 2024 में राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उम्मीदवारी की दौड़ में शामिल थे, लेकिन बाद में उन्होंने ट्रंप का समर्थन किया। जिन्होंने बाद में उन्हें अरबपति एलन मस्क के साथ दक्षता पहल की सह–अध्यक्षता करने के लिए चुना। रामास्वामी रिपब्लिकन पार्टी के गवर्नर एवं एक अनुभवी मध्यमार्गी–दक्षिणपंथी माइक डेविन (78) का स्थान लेने के लिए प्रतिस्पर्धी रिपब्लिकन पार्टी के प्राइमरी के चुनाव में शामिल हुए हैं। ओहायो के अटॉर्नी जनरल डेव योस्ट ने जनवरी में सीट से चुनाव लड़ने की घोषणा की और अप्पालाचिया के एक अश्वेत उद्यमी हीथर हिल भी इस दौड़ में शामिल हैं। वहीं, कोविड–19 महामारी के शुरुआती दिनों में ओहायो का नेतृत्व करने में मदद करने वाले पूर्व राज्य स्वास्थ्य निदेशक डॉ. एमी एक्टन डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं।

वेस्ट बैंक के जेनिन में इजराइली टैंक को प्रवेश करते देखा गया

इजराइली टैंक, कब्जे वाले वेस्ट बैंक के जेनिन में प्रवेश कर गए हैं। यह घटनाक्रम, इजराइल के रक्षा मंत्री के उस बयान के तुरंत बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने कहा था कि उसकी सेनाएं फलस्तीनी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में आगामी वर्ष तक मौजूद रहेंगी। समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के पत्रकारों ने रविवार को जेनिन में कुछ टैंकों को आते देखा। जेनिन लंबे समय से इजराइल के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष का गढ़ रहा है। इजराइल फलस्तीनी क्षेत्र पर अपनी कार्रवाई को और तेज कर रहा है और उसने कहा है कि वह हमलों में वृद्धि के बीच उग्रवाद को खत्म करने के लिए कटिबद्ध है।

अमेरिकन एयरलाइंस की न्यूयॉर्क–दिल्ली उड़ान को बम की धमकी मिलने के बाद रोम भेजा गया

न्यूयॉर्क से दिल्ली जा रहे अमेरिकन एयरलाइंस के विमान को रविवार शाम 'बम की संदिग्ध धमकी' मिलने के बाद उसका मार्ग परिवर्तित कर रोम की ओर भेज दिया गया और जांच के बाद इसे फिर से उड़ान भरने की मंजूरी दे दी गई। अधिकारियों के मुताबिक इस विमान में 199 यात्री और चालक दल के 15 सदस्य सवार थे। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने 'पीटीआई' को बताया कि चालक दल द्वारा सूचना दिए जाने के बाद अमेरिकन एयरलाइंस की उड़ान 'एए292' का मार्ग परिवर्तित किया गया और उसे रोम की ओर भेज दिया गया। एफएए ने बताया कि विमान को स्थानीय समयानुसार शाम करीब साढ़े पांच बजे रोम के लियोनार्डो दा विंची अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतारा गया। 'पीटीआई' को दिए गए एक बयान में अमेरिकन एयरलाइंस ने कहा कि उड़ान संख्या 292 का 'संभावित सुरक्षा' कारणों से मार्ग परिवर्तित किया गया और उसे रोम की ओर भेजा गया। विमानन कंपनी ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताते हुए कहा कि विमान रोम में सुरक्षित उतर गया और कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने निरीक्षण कर विमान को फिर से उड़ान भरने की अनुमति दे दी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

विदेशियों के अपहरण की आतंकी साजिश! आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी के बीच पाकिस्तान खुफिया एजेंसियों के खुलासे से मची सनसनी

पाकिस्तान में आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 खेला जा रहा है। इसमें भारत सहित आठ टीमें भाग ले रही हैं। हालांकि, भारत के मुकाबले दुबई में खेले जा रहे हैं। वहीं, अन्य टीमों के मुकाबले पाकिस्तान में ही हो रहे हैं। इन सबके बीच पाकिस्तानी आतंकी सक्रिय हो गए हैं। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के खुफिया ब्यूरो ने इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) से संभावित खतरे के बारे में चेतावनी जारी की है। इसमें दावा किया गया है कि आतंकी संगठन फिरौती के लिए आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में भाग लेने वाले विदेशियों का अपहरण करने की योजना बना रहा है। ऐसा कहा जाता

है कि आतंकवादी संगठन विशेष रूप से चीनी और अरब नागरिकों को निशाना बना रहा है, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, कार्यालयों और इन देशों के आगंतुकों द्वारा अक्सर उपयोग किए जाने वाले आवासीय क्षेत्रों पर निगरानी कर रहा है। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, आईएसकेपी के कार्यकर्ता शहरों के बाहरी इलाकों में संपत्तियों को सुरक्षित घरों के रूप में किराए पर देने की योजना बना रहे हैं, जानबूझकर कैमरे की निगरानी के बिना स्थानों का चयन करते हैं और केवल रिक्शा या मोटरसाइकिल द्वारा पहुंच योग्य होते हैं। समूह का इरादा सुरक्षा बलों से बचने के लिए अपहृत व्यक्तियों को रात की आड़ में सुरक्षित घरों के बीच ले जाने का है। यह चेतावनी तब आई है जब पाकिस्तान प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आयोजनों को सुरक्षित करने की अपनी क्षमता के बारे में बढ़ती चिंताओं का सामना कर रहा है। अतीत में, देश पर विदेशी नागरिकों पर हमलों को कम करने का आरोप लगाया गया है। 2024 में शांगला में चीनी इंजीनियरों पर हमला और 2009 में लाहौर में श्रीलंकाई क्रिकेट टीम पर हमले जैसी घटनाओं ने इसकी सुरक्षा तैयारियों पर संदेह पैदा कर दिया है। इस बीच, अफगानिस्तान की खुफिया एजेंसी (जीडीआई) ने भी अधिकारियों को प्रमुख स्थानों पर संभावित आईएसकेपी हमलों के बारे में सतर्क कर दिया है और समूह से जुड़े लापता कार्यकर्ताओं को ट्रैक करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। 2024 में, ऐंझच से संबद्ध अल अज़ैम मीडिया ने 19 मिनट का एक वीडियो जारी किया जिसमें दावा किया गया कि क्रिकेट मुसलमानों के खिलाफ बौद्धिक युद्ध का एक पश्चिमी उपकरण है। समूह ने तर्क दिया कि यह खेल इस्लाम की जिहादी विचारधारा के विपरीत, राष्ट्रवाद और प्रचार को बढ़ावा देता है। उन्होंने अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का समर्थन करने के लिए तालिबान की भी आलोचना की थी।

इस्राइल ने 620 फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई रोकी, अमेरिका ने समर्थन में कहा– 'हर कदम के साथ'

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका ने इस्राइल की ओर से 620 फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई में देरी के फैसले का समर्थन किया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, इस्राइली सरकार ने हमास के बंधकों के साथ षबर्बर व्यवहारष को आधार बनाते हुए यह कदम उठाया है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता ब्रायन ह्यूजेस ने इसे षउचित प्रतिक्रियाष करार दिया, जबकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी इस्राइल के हर फैसले के साथ खड़े रहने की बात कही। इस बीच, हमास ने भी कहा है कि जब तक कैदियों को रिहा नहीं किया जाता, वह इस्राइल से किसी भी वार्ता के लिए तैयार नहीं है। अल जजीरा के अनुसार, हमास के दो वरिष्ठ नेताओं ने कहा है कि फिलिस्तीनी समूह तब तक मध्यस्थों के माध्यम से इस्राइल के साथ आगे कोई चर्चा नहीं करेगा, जब तक कि वह शनिवार को रिहा होने वाले 620 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा नहीं कर देता।

गाजा संघर्ष विराम वार्ता मुश्किल में

यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब गाजा संघर्ष विराम वार्ता मुश्किल में पड़ती दिख रही है, क्योंकि हमास ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह तब तक वार्ता बंद कर देगा जब तक वादे के अनुसार फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई नहीं हो जाती। हमास की ओर से छह इस्राइली बंदियों को रिहा करने के बावजूद इस्राइल ने 620 फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई स्थगित कर दी है।

हमास पर बंदियों का इस्तेमाल षप्रचारष के लिए करने का आरोप

इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में बंदियों को सौंपे जाने के समारोह को षअपमानजनकष बताया और हमास पर बंदियों का इस्तेमाल षप्रचारष के लिए करने का आरोप लगाया। अल जजीरा के अनुसार, सहायता समूह युद्ध विराम के पहले चरण के तहत इस्राइल के अधूरे वादों पर सवाल उठा रहे हैं।

मिस्र और कतर भी इस्राइल पर बना रहे कैदियों को छोड़ने का दबाव

अल जजीरा ने बताया कि फिलिस्तीनी कैदी सोसाइटी ने कहा है कि इस्राइल ने गाजा युद्ध विराम के अपने दायित्वों का पालन करने और 620 कैदियों को रिहा करने से इनकार कर दिया है। अल जजीरा के अनुसार, मिस्र और कतर कथित तौर पर इस्राइल पर 620 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करने के लिए दबाव डाल रहे हैं, जिसका वादा इस्राइल ने हमास की ओर से गाजा से छह बंदियों को रिहा करने के बाद किया था।

नेतन्याहू को करना पड़ा अलोचना का सामना

इस बीच, इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को एक सैन्य दीक्षांत समारोह में बोलते हुए गाजा पर युद्ध को लेकर नई आलोचना का सामना करना पड़ा। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, जब उन्होंने बंधक शिरी बिबास और उसके छोटे लड़कों एरियल और केफिर (जिनके अवशेष पिछले सप्ताह गाजा से वापस लाए गए थे) की तस्वीर दिखाई, ताकि यह दर्शाया जा सके कि षहम किसके खिलाफ लड़ रहे हैंष, तो दर्शकों ने चिल्लाकर कहा, षशर्म की बात है!ष और षआपने उन्हें क्यों नहीं बचाया?ष

नेतन्याहू की चेतावनी– इस्राइल कभी भी गहन युद्ध के लिए तैयार

टाइम्स ऑफ इस्राइल की रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू ने चेतावनी दी है कि इस्राइल षकिसी भी क्षण गहन युद्ध के लिए तैयार है। परिचालन योजनाएं तैयार हैं।ष रिपोर्ट के अनुसार, अपने पूरे संबोधन में नेतन्याहू ने पूर्ण विजय का वादा किया। टाइम्स ऑफ इस्राइल ने नेतन्याहू के हवाले से कहा, बिना किसी अपवाद के हमारे सभी बंधक घर लौट आएंगे। हमास गाजा पर शासन नहीं करेगा। गाजा को असैन्य बनाया जाएगा और उसकी लड़ाकू सेना को खत्म कर दिया जाएगा।

डैन बोंगिनो बने एफडीआई के डिप्टी डायरेक्टर, ट्रंप ने की तारीफ– कहा, 'देश में जल्द लौटेगा न्याय और कानून'

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को डैन बोंगिनो को एफडीआई का अगला डिप्टी डायरेक्टर बनाए जाने का एलान किया। उनकी नियुक्त हाल ही में एफबीआई के निदेशक चुने गए भारतीय मूल के काश पटेल ने की है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर बोंगिनों को बधाई देते हुए क्या कहा है, आइए जानें।

बोंगिनो के पास कानून प्रवर्तन और राष्ट्रीय सुरक्षा में व्यापक अनुभव

ट्रंप ने बताया है कि बोंगिनो, कानून प्रवर्तन और राष्ट्रीय सुरक्षा में व्यापक अनुभव रखते हैं, न्यूयॉर्क पुलिस विभाग के पूर्व अधिकारी और संयुक्त राज्य सीक्रेट सर्विस के एक सम्मानित स्पेशल एजेंट रह चुके हैं। उन्होंने CUNY से मनोविज्ञान में मास्टर डिग्री और पेन स्टेट यूनिवर्सिटी से डठ। किया है। हाल के वर्षों में, वह अमेरिका के सबसे लोकप्रिय पॉडकास्टर्स में से एक बने, लेकिन अब सार्वजनिक सेवा में लौटने के लिए तैयार हैं। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर बोंगिनो की नियुक्ति की सराहना करते हुए कहा कि यह षकानून प्रवर्तन और अमेरिकी न्याय के लिए बहुत अच्छी खबरष है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नए थ्ठप् नेतृत्व के तहत अमेरिका में निष्पक्षता, न्याय, कानून और व्यवस्था बहाल होगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर दी बधाई

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पोस्ट किया, षकानून प्रवर्तन और अमेरिकी न्याय के लिए बहुत अच्छी खबर! डैन बोंगिनो, को अभी–अभी एफबीआई का अगला डिप्टी डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति अब तक के सबसे बेहतरीन डायरेक्टर काश पटेल ने की है। डैन के पास सीयूएनआई से मनोविज्ञान में मास्टर डिग्री और पेन स्टेट से एमबीए की डिग्री है। वह न्यूयॉर्क पुलिस विभाग (न्यूयॉर्क के सबसे बेहतरीन!) के सदस्य थे, यूनाइटेड स्टेट्स सीक्रेट सर्विस के साथ एक बेहद सम्मानित स्पेशल एजेंट थे, और अब देश के सबसे सफल पॉडकास्टर्स में से एक हैं, जिसे वह सेवा देने के लिए छोड़ने को तैयार हैं। हमारे महान नए यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी जनरल, पाम बॉन्डी और डायरेक्टर पटेल के साथ मिलकर काम करते हुए, निष्पक्षता, न्याय, कानून और व्यवस्था को अमेरिका में वापस लाया जाएगा, और वह भी जल्दी ही। बधाई डैन! ट्रंप प्रशासन ने पूर्व फ्लोरिडा अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को नया यूनाइटेड स्टेट्स अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया गया है। बॉन्डी, पटेल और बोंगिनो की टीम को ट्रम्प समर्थकों के बीच मजबूत समर्थन प्राप्त है। यह नियुक्तियां न्याय प्रणाली में बड़े बदलाव का संकेत देती हैं, हालांकि विपक्षी दलों से इस पर मिली–जुली प्रतिक्रियाएं आ सकती हैं।

महाशिवरात्रि पर दस लाख पर्यटकों के स्वागत के लिए नेपाल तैयार

महाशिवरात्रि के अवसर पर नेपाल और भारत से बुधवार को करीब दस लाख श्रद्धालुओं के यहां पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन करने आने की उम्मीद है। मंदिर का प्रबंधन करने वाले पशुपति क्षेत्र विकास ट्रस्ट के अधिकारियों ने बताया कि करीब 4,000 साधु और हजारों की संख्या में श्रद्धालु बागमती नदी के तट पर स्थित पांचवीं शताब्दी के इस मंदिर में पूजा–अर्चना करने के लिए काठमांडू पहुंच रहे हैं। महाशिवरात्रि को भगवान शिव के जन्म के दिन के रूप में जाना जाता है। पशुपति ट्रस्ट की प्रवक्ता रेवती अधिकारी ने बताया कि इस भव्य अवसर के लिए तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि इस दिन श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए कुल 10,000 सुरक्षाकर्मी और 5,000 स्वयंसेवक तैनात किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पशुपतिनाथ मंदिर महाशिवरात्रि को तड़के दो बज कर 15 मिनट पर खुलेगा और श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के चारों द्वारों से शिवलिंग के दर्शन की व्यवस्था की गई है। इस बीच, काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय ने महाशिवरात्रि के दौरान मंदिर के आसपास शराब, मांस और मछली के उत्पादन, बिक्री, उपभोग और उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक नोटिस जारी किया है। नोटिस के अनुसार, पशुपतिनाथ मंदिर क्षेत्र में और उसके आसपास सोमवार से बृहस्पतिवार तक शराब, मांस और मछली पर प्रतिबंध रहेगा। नियम का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को दंडित किया जाएगा। हिमालय को भगवान शिव का निवास स्थान माना जाता है और नेपाल में शैवों की एक बड़ी संख्या है, जिनके मुख्य देवता भगवान शिव हैं।

ट्रंप और मोदी का नाम लेकर मेलोनी ने कुछ ऐसा कहा कि वामपंथियों को लग सकती है मिर्ची

इटली की प्रधान मंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने वैश्विक वामपंथी उदारवादी नेटवर्क की आलोचना करते हुए कुछ ऐसा कहा है जिससे लेफ्ट के लोगों को मिर्ची लग सकती है। पीएम मेलोनी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की प्रशंसा करते हुए तर्क दिया कि दक्षिणपंथी नेताओं के उदय से उदारवादी तेजी से निराश हो गए हैं। उन्होंने अर्जेंटीना के

राष्ट्रपति जेवियर माइली और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का भी नाम लिया। शनिवार को वाशिंगटन डीसी में कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस (सीपीएसी) को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वामपंथी घबराए हुए हैं और ट्रम्प की जीत के साथ, उनकी जलन उन्माद में बदल गई है, न केवल इसलिए कि रूढ़िवादी जीत रहे हैं, बल्कि इसलिए कि रूढ़िवादी अब विश्व स्तर पर सहयोग कर रहे हैं। धुर दक्षिणपंथी ब्रदर्स ऑफ इटली पार्टी के नेता के रूप में, प्रधान मंत्री मेलोनी जनवरी में राष्ट्रपति ट्रम्प के उद्घाटन समारोह में भाग लेने वाली एकमात्र यूरोपीय संघ की प्रमुख थीं। मेलोनी ने कहा कि जब बिल क्लिंटन और टोनी ब्लेयर ने 90 के दशक में वैश्विक वामपंथी उदारवादी नेटवर्क बनाया, तो उन्हें राजनेता कहा जाता था। उन्होंने कहा, षआज, जब ट्रंप, मैलोनी, मिलय या शायद मोदी बात करते हैं, तो उन्हें लोकतंत्र के लिए ख़तरा कहा जाता है।ष मेलोनी ने अपने सबसे तीखे संबोधनों में से एक में कहा कि यह वामपंथियों का दोहरा मापदंड है, लेकिन हम इसके आदी हैं। और अच्छी ख़बर यह है कि लोग अब उनके झूठ पर विश्वास नहीं करते। हम पर इतना कीचड़ उछालने के बावजूद, नागरिक हमें वोट देते रहते हैं। इतालवी प्रधान मंत्री ने कहा कि उन पर फेंके गए तमाम कीचड़ के बावजूद, नागरिक उन्हें वोट देना जारी रखते हैं क्योंकि, "हम स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं। हम अपने राष्ट्रों से प्यार करते हैं। हम सुरक्षित सीमाएँ चाहते हैं। हम व्यवसायों और नागरिकों की रक्षा करते हैं... हम परिवार और जीवन की रक्षा करते हैं। हम जागरुकता के खिलाफ लड़ते हैं। हम अपनी आस्था और अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पवित्र अधिकार की रक्षा करते हैं।

पाक सरकार ने मंदिरों, गुरुद्वारों के जीर्णोद्धार के लिए एक अरब रुपये का मास्टर प्लान पेश किया

पाकिस्तान सरकार ने देश में मंदिरों और गुरुद्वारों के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण के लिए एक अरब पाकिस्तानी रुपये की लागत से एक मास्टर प्लान तैयार किया है। यह निर्णय यहां 'इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड' (ईटीपीबी) की बैठक में शनिवार को इसके प्रमुख सैयद अतउर रहमान की अध्यक्षता में लिया गया। रहमान ने कहा, ''मास्टर प्लान के तहत मंदिरों और गुरुद्वारों का जीर्णोद्धार कर उन्हें सजाया जाएगा और एक अरब पाकिस्तानी रुपये के बजट से विकास कार्य किए जाएंगे।''

उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।